सतना
25 मार्च 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मोदी बोले- ईरान जंग जारी रही तो गंभीर दुष्परिणाम होंगे: आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा

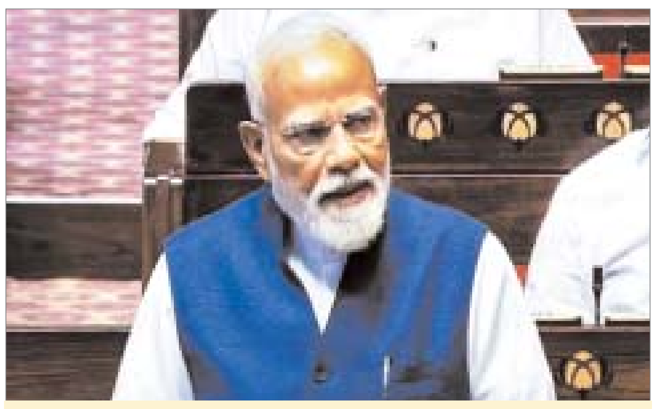

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी होगा।

उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट से भारत में स्थिति चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई प्रभावित हो रही है। होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसा हुआ है। युद्ध की शुरूआत के बाद से मैंने वेस्ट एशिया के देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है।

एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हमें एकजुट रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

पीएम ने कहा- राज्य सरकार कालाबाजारी-जमाखोरी पर एक्शन लें

पीएम ने कहा कि मैं राज्यों की सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है इसलिए पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे इसके लिए प्रोएक्टिव कदम उठाए जाएं, राज्य सरकार विशेष वव्वस्था करें।

आने वाले समय में हमारे देश की बड़ी परीक्षा

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने इंटर मिनिस्ट्रियल ग्रुप बनाया है, जो इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट में आने वाली दिक्कतों का आकलन करता है। कोरोना के समय में अलग-अलग सेक्टर से निपटने के लिए अफसरों के एम्पॉवर्ड ग्रुप बने थे, वैसे ही अभी 7 एम्पावर्ड ग्रुप बने हैं। सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे। सरकार ने खाद की सप्लाई के लिए तैयारी की है। किसानों को आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। ये राज्यों का सदन है। आने वाले समय में संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी है।

पीएम बोले- मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया को भुला दिया

पीएम ने कहा कि बीते सालों में सरकार की कोशिश रही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता कम से कम हो। हम आत्मनिर्भर हों, यही एकमात्र विकल्प है। 90 फीसदी से ज्यादा ट्रेड जहाजों पर होता है। यह वैश्विक संकट में ऐसी स्थिति को और गंभीर बना देती है। बीते दशक में किए गए प्रयासों से भारत अपने जरूरतों के अधिकांश हथियार भारत में बना रहा है। एक समय था, जब भारत जीवन रक्षक दवाइयों के लिए दूसरे पर निर्भर था। रेयर अर्थ मीनिरल में निर्भरता को लेकर भी बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया की इकॉनोमी को हिला दिया है। वेस्ट एशिया में जो नुकसान हुआ है, उससे उबरने में बहुत समय लगेगा। भारत पर इसका कम असर हो, इसके लिए लगातार कोशिश की जा रही है। सरकार पल-पल बदलते हालत पर नजर रख रही है।

राज्यसभा में पीएम बोले- पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हुआ

राज्यसभा में पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से हम सभी परीचित हैं। इस युद्ध को 3 हफ्ते से अधिक समय हो गया है। इससे पूरे दुनिया में गंभीर उर्जा संकट पैदा हो गया है। भारत के लिए भी हालात चिंताजनक है। पेट्रोल डीजल, गैस और फर्टिलाइजर की रूटीन सप्लाई प्रभावित हो रही है। गल्फ देशों में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनका जीवन और आजीविका भी भारत के लिए बड़ी चिंता है। पीएम ने कहा कि होर्मूज में अनेक जहाज फंसे हैं। उनमें भारतीय क्रू फंसे हैं। जरूरी है कि भारत की संसद की उच्च सदन से शांति और संवाद की एकजुट आवाज पूरी दुनिया तक जाए। युद्ध की शुरूआत के बाद से मैंने वेस्ट एशिया के देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है। गल्फ के देशों के साथ बात कर रहे हैं। अमेरिका और इजराइल के संपर्क में हैं।

पंजाब अफसर सुसाइड : सीएम मान का सीबीआई जांच से इनकार

पूर्व आप मंत्री भुल्लर की गुपचुप पेशी की चर्चा ; डॉक्टरों का बोर्ड पोस्टमॉर्टम कर रहा

अमृतसर,एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस की जांच CBI को देने की बात पर CM भगवंत मान भड़क गए। चंडीगढ़ में आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि राजा वड़िंग और अमित शाह पर भी आरोप लगाकर लोग मर गए। तब किसने रिजाइन किया और कौन गिरफ्तार हुआ? CBI जांच से इनकार करते हुए सीएम ने कहा कि मिनिस्टर का रिजाइन हो गया। उसे अरेस्ट कर लिया। चीफ सेक्रेटरी को जांच के आदेश दिए हैं। नियमों के मुबाबिक कार्रवाई होगी। हमारे लिए मंत्री-संतरी एक समान हैं। वहीं, आरोपी पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को गुपचुप तरीके से जज के सामने पेश करने की चर्चा है। हालांकि, पुलिस इसमें कुछ खुलकर बात नहीं कर रही। डीसीपी रविंदरपाल ने पहले भुल्लर की रिमांड की भी पुष्टि की थी, लेकिन अब वह कह रहे हैं कि अभी पेश किया जाएगा। इधर, DM रंधावा के सुसाइड के चौथे दिन उनके शव का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की निगरानी में सिविल अस्पताल में कार्रवाई की जा रही है। साथ ही प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी हो रही है। दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार भी किया जाएगा।

दिल्ली के लिए 1,03,700 करोड़ रुपए का बजट पेश :10वीं की मेरिट में आने वाले स्टूडेंट्स को मिलेंगे लैपटॉप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। इस बार सरकार ने 1 लाख 3 हजार 700 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि इस बजट को लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'ग्रीन बजट' के रूप में तैयार किया गया है। इसी के तहत कुल बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण के लिए निर्धारित किया गया है। बजट में एजुकेशन के लिए 19 हजार करोड़ का आवंटित किए गए हैं। नई योजना में 10वीं क्लास में मेरिट में आने वाले में सभी स्टूडेंट्स को लैपटॉप दिया जाएंगे। वहीं, 9वीं क्लास में पढ़ने वाली सभी बच्चियों को मुफ्त साइकिल दिए जाने की घोषणा की गई है।

PWD के लिए 5,921 करोड़ रुपए आवंटित : लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए 5,921 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही शहरी विकास के लिए 7,887 करोड़, यमुनापार के लिए 300 करोड़, झुग्गी विकास के लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 787 करोड़ और विकास विभाग के लिए 914 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

हाई अलर्ट पर भारत : बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच रक्षा तैयारियों की समीक्षा, राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। हालिया वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाक्रम के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर कामत सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और भारत की रक्षा तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया। दरअसल पिछले दिनों 22 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस बैठक हुई थी, जिसमें ऊर्जा और उर्वरक सप्लाई की समीक्षा की गई थी।

ईरान में गैस प्लांट और पाइपलाइन पर हमला

हिजबुल्लाह का 5 इजराइली ठिकानों पर मिसाइल अटैक ; जंग में अब तक 2663 मौत

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 25वां दिन हैं। ईरान में मंगलावर को कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्टचर पर हमला हुआ।

मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोर्रमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया।

ट्रम्प ने ईरान पर हमला 15 दिन के लिए टाला : ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किये के साथ मिलकर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बातचीत की।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

● 114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रूमेंबर सवार थे ; टेकऑफ के बाद 1.5किमी. दूर गिरा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है।

एक सैन्य सूत्र ने AFP को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ।रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।

कोलंबियाई राष्ट्रपति ने हादसे पर दुख जताया : कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है।

मथुरा में मोहन भागवत ने संतों के पैर छुए:

बोले- घुसपैठियों को रोजगार मत दो, ये लोग गड़बड़ी करते हैं

मथुरा, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार सुबह 10 बजे मथुरा के वृंदावन पहुंचे। यहां एक आश्रम के लोकार्पण समारोह में हिस्सा लिया। संतों का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने धर्मांतरण पर कहा कि जो लोग पहले हिंदू थे, अब दूसरे संप्रदायों में चले गए हैं, उन्हें वापस लाने की कोशिशें जारी हैं। अगर वो खुद ही वापस आना चाहते हैं तो हमें दरवाजे खुले रखने चाहिए।

भागवत ने घुसपैठ के मुद्दे पर कहा : समाज का दायित्व है कि जैसे ही किसी घुसपैठिए का पता चले, अधिकारियों को बताएं। वैसे तो हमें भेदभाव नहीं करना है, लेकिन जो देश में चोरी-छिपे आए हैं, कभी-कभी बड़ी गड़बड़ियों का कारण बनते हैं, ऐसे लोगों के लिए हमें स्पष्ट रहना होगा कि हम उन्हें रोजगार नहीं देंगे। समाज और प्रशासन को मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए कि धर्मांतरण और घुसपैठ को रोका जाए। संघ प्रमुख ने हिंदुओं को तीन बच्चे पैदा करने की अपनी सलाह फिर से दोहराई।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं:

सुप्रीम कोर्ट का फैसला- धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा।जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी लाभ का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। चिंथदा ने SC-ST एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

यह था पूरा मामला : यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला: महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

इससे इनकार करना भेदभाव था; जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) अफसर, जिन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिला अब उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला मंगलवार को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि महिला अफसरों को स्थायी कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुईयां और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा- अब यह माना जाएगा कि इन महिला अफसरों ने पेंशन के लिए जरूरी 20 साल की सर्विस पूरी कर ली है, भले ही उन्हें पहले ही सेवा से हटा दिया गया हो।

दरअसल, कोर्ट का यह फैसला सुचेता एडन समेत अन्य महिला अफसरों की याचिकाओं पर आया, जिनमें केंद्र की परमानेंट कमीशन से जुड़ी 2019 की पॉलिसी और आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 राहत दीं...

- जिन SSC अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या AFT (ट्रिब्यूनल) के फैसले के आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन (PC) मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा।
- जो महिला SSC अफसर (अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है। उन्हें पेंशन और उससे जुड़े सभी लाभ मिलेंगे, लेकिन पिछला वेतन (एरियर) नहीं मिलेगा।
- वर्तमान में जो महिला अफसर सेवा में हैं, उन्हें 60% कटऑफ पूरा करने पर परमानेंट कमीशन मिलेगा। बशर्ते उन्हें जरूरी मंजूरी मिली हो। यह आदेश उन महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा जो JAG (जज एडवोकेट जनरल) और AEC (एजुकेशन कॉर्प्स) में हैं, क्योंकि उन्हें 2010 से ही स्थायी कमीशन के लिए विचार का मौका मिलता रहा है।

सीजेआई नेआर्मी, नेवी और एयर फोर्स के लिए कहा

आर्मी: क्या ACR यानी परफॉर्मेंस रिपोर्ट सही तरीके से बनी? हमने पाया है कि ACR इस सोच के साथ लिखे गए कि महिलाओं को आगे मौका नहीं मिलेगा। इससे महिला अफसरों की मेरिट पर असर पड़ा, पुरुष अधिकारियों से पीछे रहीं। महिलाओं को जरूरी ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। यह उनके करियर के खिलाफ गया। आर्टिकल 142 के तहत 'पूर्ण न्याय' के लिए आदेश दे रहे हैं।

नेवी: ACR में यहां भी पूर्वाग्रह मिला। लेकिन 'डायनेमिक वैकेंसी मॉडल' सही और गैर-भेदभावपूर्ण है। अधिकारियों को मूल्यांकन का पूरा मापदंड नहीं बताया गया, यह बड़ी कमी।

एयर फोर्स: न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड जल्दबाजी में लागू किए गए। 2007 बैच को 2020-21 में आंका गया, यह प्रक्रिया ठीक नहीं। प्रक्रिया में खामियां होने के बावजूद कोर्ट ने पुनर्नियुक्ति का आदेश दिया।

कोर्ट के फैसले पर किसने क्या कहा : सीनियर एडवोकेट वी. मोहना ने कहा कि सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने का मामले में यह बड़ा कदम है। सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा इस फैसले के लिए कोर्ट का धन्यवाद है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि कोर्ट के इस फैसले पर हम भी आभारी हैं।

जम्मू-कश्मीर में 48 घंटे बाद फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। अगले 48 घंटों तक मौसम साफ रहने के बाद 26 मार्च से दोबारा बारिश की संभावना है। फिर 29 मार्च तक आसमान में बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं बारिश होगी। बीच-बीच में धूप जरूर खिलेगी लेकिन आंशिक बादल छाएंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी होगी। इससे पहले 24 और 25 मार्च को मुख्यता: आसमान साफ ही रहेगा। विभाग ने 26 मार्च को कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, उच्च पर्वतीय श्रृंखलाओं पर हल्की बर्फ पड़ने की भी संभावना जताई गई है। इसी बीच सोमवार को जम्मू शहर व आसपास के इलाकों में मौसम साफ ही रहा। शाम के समय आंशिक बादल भी छाए। दिन के समय तीखी धूप निकली। मौसम के इस बदले मिजाज के चलते ही सोमवार को जम्मू का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जबकि न्यूनतम पर पारा 15.0 डिग्री सेल्सियस पर रहा। बहुत से लोगों ने दोपहर के समय गर्म कपड़े दोबारा खोल दिए जो पिछले कुछ दिनों में दोबारा मौसम सर्द होने पर लोगों ने लगा लिए थे। फिलहाल मौसम के मिजाज बदले हुए हैं।

गाजियाबाद में डबल मर्डर, अवैध संबंधों के शक में पत्नी और उसके दोस्त के सिर पर बेरहमी से वार कर हत्या

साहिबाबाद, एजेंसी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में अवैध संबंधों के शक में एक सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। पति ने अपनी पत्नी और उसके कथित प्रेमी की सिर पर भारी वस्तु से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान शबनम (36) और फहीम (32) के रूप में हुई है। शबनम आरोपी राशिद की पत्नी थी, जबकि फहीम को राशिद का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस को रात 12:40 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के बुद्ध बाजार मोहल्ले में झगड़ा हुआ है, जिसमें दो लोग घायल हो गए हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो राशिद के मकान में शबनम और फहीम के शव पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फहीम रात में शबनम से मिलने घर आया था। इसी दौरान राशिद भी घर पहुंच गया, जिसके बाद तीनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में राशिद ने सिर पर भारी वस्तु से वार कर दोनों की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतकों के परिजनों से तहरीर ली जा रही है। फील्ड यूनिट ने मौके का निरीक्षण कर लिया है और शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रदूषण बोर्ड की कार्रवाई से साहिबाबाद के उद्यमी नाराज, बिना नोटिस बिजली कनेक्शन काटने का आरोप

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। औद्योगिक क्षेत्र साइट चार के उद्यमियों का आरोप है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बिना किसी सूचना के उद्योगों पर कार्रवाई कर रहा है। सोमवार को बिना किसी सूचना और निरीक्षण के कई औद्योगिक क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग प्रशासन से की है। एसोसिएशन के महासचिव मुकेश गुप्ता ने बताया कि कई इकाइयों ने समय के साथ अपने कार्य में परिवर्तन कर नान-पाल्यूटिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं। ऐसे में बिना सत्यापन के सामूहिक कार्रवाई से बड़ी संख्या में इकाइयां प्रभावित हुई हैं। उद्यमी प्रवीन जैन ने भी बताया कि बिना नोटिस या निरीक्षण के बिजली काटे जाने से उत्पादन बाधित हुआ है और उद्योगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग पहले ही गैस आपूर्ति, कच्चे माल और श्रमिक उपलब्धता जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। उद्यमियों ने मांग रखी कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और नियमों का पालन करने वाली व नान-पाल्यूटिंग इकाइयों की बिजली तत्काल बहाल की जाए। इसके अलावा भविष्य में ऐसी कार्रवाई से पूर्व उचित सूचना एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

चुनाव आयोग ने SIR के बाद जारी की पहली पूरक सूची; 60 लाख नामों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के बाद पहली पूरक मतदाता सूची जारी कर दी है। चुनावी माहौल के बीच पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने सोमवार देर रात एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया के बाद पहली पूरक मतदाता सूची जारी कर दी। यह सूची रात करीब 11:55 बजे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई, जिसमें उन मतदाताओं के नाम शामिल हैं जिनके मामलों का निपटारा किया जा चुका है।60 लाख नाम थे जांच के दायरे में28 फरवरी को जारी अंतिम वोटर लिस्ट में करीब 60 लाख नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी जांच के दायरे में रखे गए थे। इसके बाद 705 न्यायिक अधिकारियों को इन मामलों की जांच सौंपी गई थी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के अनुसार, अब तक लगभग 29 लाख नामों पर फैसला लिया जा चुका है।कितने नाम जुड़े, कितने हटे- अभी स्पष्ट नहींहालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि पूरक मतदाता सूची में कितने नाम जोड़े गए हैं और कितने हटाए गए हैं। कई लोगों ने यह भी शिकायत की कि वेबसाइट पर सूची उपलब्ध होने के बावजूद उसे डाउनलोड करने में दिक्कत आ रही है।कैसे हुई जांच प्रक्रिया अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया काफी विस्तृत और पारदर्शी रही है। 705 न्यायिक अधिकारियों को इस काम में लगाया गया था, जिन्होंने तय किया कि किस नाम को सूची में शामिल करना है और किसे हटाना है। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत की गई है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो।

दिल्ली में दो गुना हुआ ई-बसों का बेड़ा, निजी वाहन घटे, इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो विस्तार पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौजूदा वित्तीय वर्ष में ई-बसों की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले दो गुनी हो गई है। कोविड काल के बाद पहली बार निजी वाहनों की संख्या में गिरावट दिखी है। दिल्ली में मौजूदा वित्तीय वर्ष में ई-बसों की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले दो गुनी हो गई है। कोविड काल के बाद पहली बार निजी वाहनों की संख्या में गिरावट दिखी है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, अप्रैल 2025 में 2,150 ई-बसों की तुलना में मार्च 2026 इनकी संख्या 4,338 हो गई है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,600 नई बसें जोड़ी जानी हैं। निजी वाहनों में सालाना 0.63 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

विधान सभा में सोमवार पेश दिल्ली सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, राजधानी में परिवहन क्षेत्र को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और सुलभ बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। इसके तहत वर्ष 2025-26 में परिवहन क्षेत्र के लिए 12,111 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया था। इसमें से 20 मार्च 2026 तक 10,341 करोड़ रुपये यानी करीब 85.38 प्रतिशत राशि खर्च की जा चुकी है।

सर्वेक्षण के अनुसार, परिवहन बेड़े में वर्ष 2026-27 तक 1,600 नई बसें जोड़ी जानी हैं। इनमें 50 मेट्रो फीडर बसें भी शामिल होंगी। 2,800 नई इलेक्ट्रिक बसों की मांग रखी गई है। इसमें 1,380 बसें डीटीसी, 1,420 बसें परिवहन विभाग के लिए प्रस्तावित हैं। 3,330 अतिरिक्त ईवी बसों का प्रस्ताव भी पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत भेजा गया है।

दिल्ली में घटी निजी वाहनों की संख्या : रिपोर्ट के तहत 2024-25 में कुल पंजीकृत निजी वाहनों की संख्या घटकर 81,18,294 रह गई। पिछले वर्ष की तुलना में 51,905 वाहनों की कमी दर्शाती है। वर्ष 2014-15 में जहां दिल्ली में कुल वाहन 88.27 लाख थे।

वहीं 2020-21 तक यह संख्या बढ़कर 1.22 करोड़ के पार पहुंच गई थी। 2021-22 से में 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल, 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाई गई पाबंदी से 64.25 लाख से अधिक वाहन डी-रजिस्टर हो चुके हैं। इस नीति का सबसे अधिक असर 2021-22 में दिखा, जब एक साल में करीब 43 लाख वाहनों की कमी दर्ज हुई।

मेट्रो दिल्ली के परिवहन ढांचे की रीढ़ : रिपोर्ट बताती है कि मेट्रो सेवा भी दिल्ली के परिवहन ढांचे की रीढ़ बनी हुई है। वर्तमान में दिल्ली मेट्रो में औसत दैनिक यात्री संख्या लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। मार्च 2026 तक डीटीसी और परिवहन विभाग के पास बसों का बेड़ा 6,100 है। सरकार का जोर इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार और सार्वजनिक परिवहन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर है।

दिल्ली में 4.7 लाख ई-वाहन हुए पंजीकृत

दिल्ली में मोटर वाहनों की संख्या 87.61 लाख तक पहुंच चुकी है। इनमें कार और जीप लगभग 25 प्रतिशत हैं, जबकि दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी करीब 68 प्रतिशत है। इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। 20 मार्च 2026 तक दिल्ली में करीब 4.7 लाख ई-वाहन पंजीकृत हो चुके हैं। दिल्ली में परिवहन विभाग ने दूसरे चरण सारी सेवाएं फेसलेस हो गई हैं। इससे 54 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है।

दिल्ली ईवी नीति के तहत दी 203 करोड़ की सब्सिडी

दिल्ली ईवी नीति के तहत अब तक 91,031 लाभार्थियों को कुल 203.35 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। आम लोगों की सुविधा के लिए 'वन दिल्ली' मोबाइल ऐप के जरिए सार्वजनिक ईवी चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुफ्त बस यात्रा योजना के तहत वर्ष 2025-26 (फरवरी 2026 तक) में 56.21 करोड़ महिला यात्रियों ने डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की, जिस पर सरकार ने 562.17 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी।

हिमाचल कैसे बनेगा आत्मनिर्भर, जब अधिकारी नहीं मुख्यमंत्री बना रहे बजट

शिमला, एजेंसी। जिस प्रदेश का बजट अधिकारी नहीं मुख्यमंत्री बनाए तो भगवान ही मालिक होगा। वित्तीय स्थिति इतनी खराब कर दी है कि हिमाचल को वेंटिलेटर पर पहुंचा दिया है। ये बात विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा पेश बजट पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि क्या ये वित्तीय आपातकाल की स्थिति नहीं पैदा हो गई है कि वेतन के कुछ प्रतिशत को छह माह के लिए टाल दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हम भी सहयोग को तैयार हैं। प्रदेश दस साल पीछे चला गया है और बजट के आधार पर चार साल पीछे दिखाया है। बजट का में समर्थन नहीं कर सकता क्योंकि विकास के बजट को 62 प्रतिशे तक कम कर दिया। एक तरफ कहते हैं कि राजस्व सरप्लस नहीं हो सकते दूसरी तरफ कह रहे हैं कि 2027 में आत्मनिर्भर करेंगे तो कैसे होगा। उन्होंने बताया कि अब तक जितने भी मुख्यमंत्री रहे सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने औसत 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ऋण लिया। जबकि 60 प्रतिशत की दर से ऋण वापिस किया जबकि हमने मुख्यमत्री रहते औसत 7.02 प्रतिशत की दर से ऋण लिया और 95 प्रतिशत की दर से ऋण वापिस किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्रियों से लेकर अब तक लिए ऋण का डाटा भी रखा और सवाल ख? किए। उन्होंने कहा लाखों नौकरियों को देना था उसकी जगह 15000 नौकरियों को समाप्त कर दिया। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस बार बजट प्रस्तुत करने में व्यवस्थाएं तार-तार हो गई। आल्टो गाड़ी छोड़ दी। ऐसा शब्द इस्तेमाल किया स्वाभाविक है। ऐसा नीरस बजट सत्ता पक्ष वाले भी ऊब रहे थे। पहली बार मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन जयराम ठाकुर ने भी ऐसे तो मुश्किल हो जाएगी। सब कुछ नादौन व देहरा को बाकी को कुछ नहीं। अगली ख्वाईश दोबारा आने की मत रखना आपको बहुत पीड़ा होगी। अगला अंतिम बजट होगा तब तक विदाई की शहनाई बज जाएगी। पहली बार 2023 में जितने का बजट पेश किया उससे कम का बजट पेश किया तो कहां आगे जायेंगे। विकास के लिए बजट 5 से 6 रुपए रह गया है। जबकि भाजपा सरकार के समय 100 में से 44 रुपए था जो अब 20 रुपए दिखाया है। जो पहली साल 29 रुपए था।

दौलत राम कॉलेज में वेतन रोकने पर कर्मचारियों का धरना, प्रिंसिपल पर दुर्व्यवहार का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी एंड कालेज कर्मचारी यूनियन ने दौलत राम कॉलेज के एक कर्मचारी का पिछले पांच माह से वेतन रोकने के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। यूनियन के अनुसार, कालेज के कर्मचारी पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन समाधान निकालने के बजाय दबाव की रणनीति अपना रहा है। यूनियन के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि 23 फरवरी को कालेज की प्रिंसिपल प्रो. सविता राय धरना स्थल पर पहुंचीं और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने प्रिंसिपल पर एक दिव्यांग कर्मचारी के हाथ से माइक छीनने और कॉलेज का गेट अंदर से बंद करवाने का आरोप लगाया। वहीं, कालेज की प्रिंसिपल सविता राय से इस मसले पर फोन और वॉट्सएप पर जवाब मांगा गया, लेकिन उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। देवेंद्र शर्मा का कहना था कि यूनियन के दो पदाधिकारियों दौलत सिंह रावत और अमित कुमार जमवाल को निलंबित कर दिया गया है।

ईरान से जंग में ट्रंप ने क्यों लिया यू-टर्न भारी खर्च तेल संकट और अंतहीन युद्ध का डर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 36 घंटे पहले ही ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दी थी, अचानक युद्ध-विराम और सार्थक बातचीत की ओर मुड़ गए। दरअसल, ट्रंप अपने ही जाल में फंस गए हैं। अचानक क्या हो गया, आइए जानते हैं इसे... ईरान के दो वार और हांफने लगा अमेरिका: जानिए आखिर कैसे नरम पड़े ट्रंप के तेवर, अब युद्ध खत्म करने की कर रहे बात इस युद्ध में अमेरिका को रोजाना करीब 1.38 अरब डॉलर खर्च करना पड़ रहा है। शुरुआती 6 दिनों में ही 11.3 अरब डॉलर और अगले 12 दिनों में 16.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं।

पेंटागन ने 200 अरब डॉलर से अधिक की राशि और मांगी है। इसे कांग्रेस यानी संसद से पारित कराना होगा, जिसके पारित होने की उम्मीद कम है। कायर एवं कागजी शेर जैसे संबोधन सुनने के बाद भी नाटो समेत सहयोगी देश साथ नहीं आए। 22 देशों ने होर्मुज पर समन्वय के लिए हस्ताक्षर किए। किसी ने युद्धपोत नहीं भेजे। कतर में एलएनजी बंद होने व पांच साल तक अप्रत्याशित संकट से यूरोप में गैस की कीमतें 35त्न बढ़ गईं। जापान को रणनीतिक भंडार निकालना पड़ा। विचलित अमेरिका चीन व रूस को मजबूत करता है। तेल दबाव का मुख्य बिंदु है... खाड़ी देशों में अशांति के मायने हैं, कीमतों में भारी उछाल। दुनियाभर में असर दिखने लगा है।

ट्रैफिक कंट्रोलर बोला- मैंने गलती कर दी न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर बड़ी विमान दुर्घटना

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार देर रात एक बड़ा विमान हादसा हो गया। एयर कनाडा के एक विमान की लैंडिंग के दौरान फायर ट्रक से टक्कर हो गई। इस भीषण टक्कर में विमान के पायलट और सह-पायलट की मौत हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार रात करीब 11:46 बजे हुआ। 70 से ज्यादा यात्रियों को लेकर एयर कनाडा का विमान मॉन्ट्रियल से ला गार्डिया एयरपोर्ट पर उतर रहा था। इसी दौरान एक फायर ट्रक टैक्सीवे पार कर रहा था। यह फायर ट्रक किसी अन्य विमान में आई गंध की सूचना पर जांच के लिए भेजा गया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने फायर ट्रक को रुकने का निर्देश दिया था, लेकिन यह निर्देश स्पष्ट रूप से नहीं पहुंचा या उसका पालन नहीं हुआ। इसके तुरंत बाद विमान और फायर ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट संचार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को यह कहते हुए सुना गया कि हम पहले एक आपात स्थिति से निपट रहे थे। मैंने गलती कर दी। यह घटना एयर ट्रैफिक कंट्रोल के समन्वय में गंभीर चूक की ओर इशारा करती है। विमान में सवार लगभग 40 सदस्यों को चोटें आईं, जिनमें से कुछ गंभीर थीं। फायर ट्रक में सवार दो लोग भी घायल हुए। अधिकांश घायलों को सोमवार सुबह तक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। टक्कर के कारण विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

क्या जंग थमेगी या और भड़केगी ट्रंप बातचीत में नेतन्याहू हमले तेज करने के मूड में

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका-इज़राइल-ईरान जंग के 24 दिन पूरे हो गए हैं। एक तरफ कूटनीतिक बातचीत की हलचल तेज हुई है, तो दूसरी तरफ सैन्य गतिविधियां भी जारी हैं। मध्य पूर्व में तनाव के बीच इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलग-अलग रुख ने हालात को और गंभीर बना दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 23 तारीख को बड़ा फैसला लेते हुए ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले को 5 दिन के लिए टाल दिया और कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता जारी है। यानी अमेरिका फिलहाल बातचीत से समाधान चाहता है। ट्रंप से फोन पर बात करने के बाद इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम ईरान और लेबनान पर हमले लगातार जारी रखेंगे, यह रुकने वाला नहीं है, हम अपने हितों की हर हाल में रक्षा करेंगे। नेतन्याहू के मुताबिक ईरान के मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को नुकसान पहुंचा भारी झटका लगा। उन्होंने हाल ही में 2 ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का दावा भी किया है। यह स्थिति साफ दिखाती है कि अमेरिका बातचीत और समझौता चाहता है जबकि इजराइल सैन्य दबाव बनाए रखना चाहता है। दोनों के लक्ष्य अलग-अलग नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान के पास 60त्न से ज्यादा समृद्ध करीब 400 किलो यूरेनियम है।

शांति वार्ता के दावों के बावजूद नहीं थम रहे हमले ईरान के कई शहरों में हुए धमाके

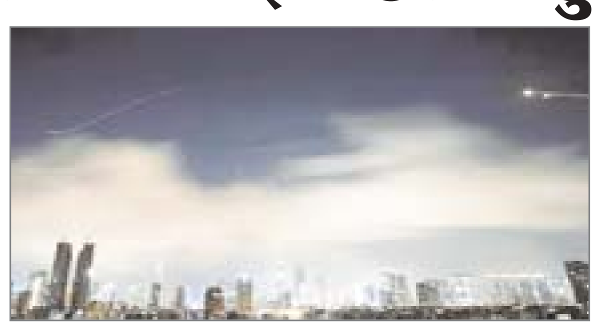

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 25वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। शांति वार्ता की चर्चाओं के बीच ईरान के कई शहरों पर हमले हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के तेहरान, तबरिज, इस्फहान और करज जैसे शहरों में हवाई हमले हुए हैं। ये हमले बीते 24 घंटे के दौरान हुए हैं। इन शहरों में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

ईरानी संसद के एक सदस्य ने अमेरिका से बातचीत को लेकर किया आगाह : ईरान के एक सांसद ने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने से पहले देश के नेतृत्व को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऐसा हुआ है, जब ईरान अमेरिका के साथ शांति वार्ता कर रहा था तो अमेरिका की तरफ से हमले किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने हमसे बातचीत को लेकर झूठ बोला। ईरानी संसद के सदस्य और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य इस्माइल कोवसारी ने कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू झूठे हैं और वे बांटने में विश्वास रखते इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा है कि इस्राइली एयर डिफेंस को सक्रिय किया गया है क्योंकि ईरान की तरफ से मिसाइल हमला हुआ है। सेना ने लोगों को निर्देश मिलते ही बंकर में जाने की सलाह दी है। कुवैती सेना ने कहा है कि उन पर मिसाइल और ड्रोन्स से हमला हुआ, जिसे कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया। हालांकि कुछ ड्रोन्स कुवैत की सीमा में गिरे हैं। कुवैत सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने एएनआई से बातचीत में स्पष्ट किया कि ईरान के अधिकारियों से इस हफ्ते अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, यूएस विशेष शांति मिशन प्रतिनिधि स्टीव विटकोफ और पूर्व सीनियर एडवाइजर जैरेड कुश्नर की संभावित बैठक को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लीविट ने कहा ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चाएं हैं और अमेरिका प्रेस के माध्यम से कोई बातचीत नहीं करेगा।

एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ, स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली, के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया यह आयोजन मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के सहयोग से सम्पन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई इसके बाद स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास एवं व्यायाम कर दिन की शुरुआत की शिविर के प्रथम दिवस स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया और समाज को स्वच्छता

एवं सेवा का संदेश दिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण के साथ-साथ सेवा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करना तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान देना है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप सरपंच राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि छात्र सेवा भाव के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं विशिष्ट अतिथि, शासकीय हाई स्कूल जोबा के प्राचार्य जगत प्रताप सिंह ने एनएसएस की भूमिका को समाज एवं राष्ट्र विकास में महत्वपूर्ण बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने का सशक्त माध्यम है ऐसे शिविर विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। कार्यक्रम में डॉ. एस. आर. भारती, विजय भान सिंह, संतोष कुमार नामदेव, मनीष सोनी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विश्व टीबी दिवस पर 100 दिवसीय 'टीबी-मुक्त भारत अभियान' का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति (क्षय) द्वारा 'जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान' के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भव्य शुभारंभ जिला चिकित्सालय परिसर में किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक रीती पाठक रही जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की। मुख्य अतिथि रीती पाठक ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को समाप्त करना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज की भागीदारी आवश्यक है उन्होंने प्रधानमंत्री के 'टीबी मुक्त भारत' संकल्प को साकार करने के लिए जन-जागरूकता को सबसे महत्वपूर्ण हथियार बताया उन्होंने कहा कि लोगों को टीबी के लक्षण-लगातार खांसी, वजन घटना, बुखार और कमजोरी-की जानकारी होना जरूरी है ताकि समय पर जांच और उपचार हो सके विधायक ने विशेष रूप से युवाओं और छात्र-छात्राओं से 'टीबी जागरूकता दूत' बनने का आह्वान किया ताकि वे अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैला सकें। उन्होंने यह भी बताया कि टीबी का इलाज संभव है और सरकार द्वारा निःशुल्क जांच एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान रीती पाठक ने 'निक्षय मित्र' बनकर दो जरूरतमंद टीबी मरीजों को गोद लेने का संकल्प लिया और अन्य लोगों से भी इसमें भागीदारी करने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे ने बताया कि इस 100 दिवसीय अभियान के दौरान जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, नियमित दवा सेवन (डॉट्स पद्धति) और पोषण सहायता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ग्राम से शहर तक नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशों के तहत जिले में स्टेट एक्शन प्लान के मापदण्डों के अनुरूप नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम 25 मार्च 2026 को आयोजित किए जाएंगे जिले के सभी ग्रामीण और नगरीय निकायों, साथ ही सभी जनपद पंचायतों में आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम शासकीय एवं अशासकीय स्कूल, कॉलेज, छात्रावासों सहित सभी समुदायिक स्तर पर आयोजित किए जाएँ ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान का लाभ उठा सकें।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन, जल संरक्षण को मिली नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है 19 मार्च से प्रारंभ हुए इस 100 दिवसीय अभियान में शासकीय अमले के साथ-साथ ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावी बना रही है गांव-गांव में लोग जल संरक्षण का संकल्प लेकर श्रमदान के माध्यम से जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन में जुटे हुए हैं अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है गाद निकासी, गहरीकरण और साफ-सफाई जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं जिससे जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि हो रही है। यह पहल आगामी गर्मी के मौसम में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही है ग्रामीण क्षेत्रों में कूपों के पुनर्जीवन और नई जल संरचनाओं के निर्माण से जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं अभियान के अंतर्गत चेकडैम, तालाब निर्माण एवं अन्य जल संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है इससे भूजल स्तर में सुधार लाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत भी कार्य किए जा रहे हैं नालों के शोधन और अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जनभागीदारी है। ग्रामीण, युवा एवं जनप्रतिनिधि मिलकर श्रमदान कर रहे हैं और 'जल ही जीवन है' के संदेश को साकार कर रहे हैं। जलाशयों के किनारों एवं उद्गम स्थलों पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार भी किया जा रहा है।

महंगाई के खिलाफ एनएसयूआई का पैदल मार्च, सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। बढ़ती महंगाई के विरोध में आज नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने शहर में जोरदार पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया यह मार्च जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के निर्देशानुसार जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया

सिलेंडर की अर्थी निकालकर जताया विरोध: प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने घरेलू गैस सिलेंडर की अर्थी और मोटरसाइकिल के साथ पैदल मार्च निकालकर महंगाई के खिलाफ अनोखा विरोध दर्ज कराया कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम जनता की समस्याओं को उठाया।

महंगाई से आमजन परेशान: प्रेस विज्ञप्ति में जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा ने कहा कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का जीवन यापन कठिन बना दिया है उन्होंने आरोप लगाया कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 और कमर्शियल सिलेंडर में 112 की बढ़ोतरी कर दी गई है जिससे जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है साथ ही रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना: सत्यम मिश्रा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में अनावश्यक हस्तक्षेप का खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग गैस सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े होने को मजबूर हैं जबकि प्रशासन द्वारा इसकी कोई कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है।

सिंधी चौराहा से हेमू कल्याणी स्थल तक निकाला मार्च: यह पैदल मार्च सिंधी चौराहा से शुरू होकर घोड़ा चौराहा, प्रकाश चौराहा होते हुए हेमू कल्याणी स्थल तक पहुंचा, जहां प्रदर्शन का समापन किया गया।

मेडिकल टेस्ट के लिए युवक को डॉक्टर ने मारा थप्पड़ ,शिकायत दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुराने विवाद में कुछ लोगो ने एक युवक पर हमला कर दिया था पुराने विवाद में कुछ लोगो ने एक युवक पर हमला कर दिया था जिले के कोल्हुडीह गांव में अर्पित जोगी (19) के साथ मारपीट का मामला सामने आया अर्पित ने आरोप लगाया कि मनीष तिवारी और पप्पू तिवारी ने पेट्रोल टंकी के पास उस पर हमला किया यह विवाद लगभग एक साल पहले अर्पित के भाई मोहित जोगी के साथ हुए झगड़े से जुड़ा बताया जा रहा है दोपहर अर्पित अपनी मां बट्टन जोगी और कमर्जी थाना पुलिस के साथ मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचे अर्पित ने आरोप लगाया कि डॉक्टर असलम खान ने उसकी एमएलसी रिपोर्ट पूछने पर अभद्र व्यवहार किया विरोध करने पर डॉक्टर ने उसे थप्पड़ मारा और हाथ पर नुकीली वस्तु से वार किया जिससे अर्पित घायल हो गया घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने मामले की जांच शुरू कर दी सिविल सर्जन एसबी खरे ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया उन्होंने बताया कि डॉक्टर असलम खान के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिली हैं।

जनगणना 2027 की तैयारिया, फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत जिले में फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है इसी क्रम में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 01 में फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 24 मार्च से 26 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स डॉ. उमेश विश्वकर्मा एवं डॉ. पुष्पेन्द्र शाह द्वारा कुल 23 फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है इसमें घर-घर सर्वेक्षण की विधि, डेटा संकलन की सटीकता, प्रपत्रों का सही उपयोग और डिजिटल माध्यमों के प्रयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसके आधार पर शासन की नीतियां, योजनाएं और विकास कार्य तय होते हैं। इस प्रक्रिया में फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका अहम होती है क्योंकि वही जमीनी स्तर पर सही और विश्वसनीय जानकारी एकत्रित करते हैं।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का ज्ञापन, सेवा सुरक्षा की उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी पात्रता परीक्षा अनिवार्य किए जाने के आदेश के विरोध में मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस, जिला के तत्वावधान में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आयुक्त लोक शिक्षण, भोपाल द्वारा 2 मार्च 2026 को जारी निर्देशों के तहत 20 से 35 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए भी टीईटी परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें कई सेवानिवृत्ति के निकट भी हैं शिक्षकों ने कहा कि टीईटी परीक्षा का उद्देश्य नई नियुक्तियों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना

है न कि वर्षों से कार्यरत शिक्षकों की सेवा पर प्रश्नचिह्न लगाना सेवा के अंतिम वर्षों में इस प्रकार की अनिवार्यता प्राकृतिक न्याय और सेवा सुरक्षा के सिद्धांतों के विपरीत है ज्ञापन में यह भी कहा गया कि अन्य राज्यों और न्यायालयों ने भी लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने का दृष्टिकोण अपनाया है ऐसे में इस निर्णय से शिक्षकों में असुरक्षा की भावना बढ़ेगी, जिसका नकारात्मक प्रभाव शिक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है शिक्षक कांग्रेस ने मांग की है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से छूट दी जाए साथ ही संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत समानता के अधिकार और सेवा शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाए ज्ञापन में चतुर्थ समयमान वेतनमान के आदेश शीघ्र जारी करने तथा नियुक्ति दिनांक से अध्यापक संवर्ग को वरिष्ठता देने की मांग भी की गई संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शासन द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो शिक्षकों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर रमाकांत शुक्ला, दिनेश पांडे, शिवेंद्र पांडे, शिवकुमार तिवारी, देवदास कोल, संकर्षण तिवारी, संजय तिवारी, अशोक कुमार पांडे, उमाशंकर मिश्रा, सुरेश चंद्र तिवारी, मीरा उपाध्याय, मनोज पांडे, शिवकुमार साकेत, अनिल पांडे सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 100 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं, त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पंचायत सीधी में आयोजित जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जिले के विभिन्न दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 100 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना इस दौरान उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए सीईओ ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित है, उन्हें प्राथमिकता के साथ तत्काल हल किया जाए उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आवेदकों को उनके प्रकरण की स्थिति की समय पर जानकारी दी जाए जनसुनवाई के दौरान सीईओ ने कहा कि सभी आवेदनों पर संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके और प्रशासन पर विश्वास मजबूत हो।

वन स्टॉप सेंटर का जागरूकता अभियान, बाल विवाह के खिलाफ कानून की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर सीधी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम 23 मार्च 2026 को जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के निर्देशानुसार बटोली देवी मंदिर परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह जैसी कुरीति के प्रति जागरूकता फैलाना और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा इस दौरान अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक

दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है। कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को बाल विवाह निषेध कानून के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि बाल विवाह करना और कराना दोनों ही दंडनीय अपराध हैं अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं और इस कुरीति को समाप्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया और इसे समाज से समाप्त करने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे ताकि 'बाल विवाह मुक्त भारत' के लक्ष्य को जल्द हासिल किया जा सके कार्यक्रम में केस वर्कर अरुणिमा पाठक, पुष्पलता शर्मा, केयर टेकर इंदू तिवारी एवं अंजू पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मछुआ किसानों को सशक्त बनाने 'मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना' का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा घोषित कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में मछुआरों और मत्स्यपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ किया गया सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य मछुआरों, ग्रामीण तालाबों एवं जलाशयों के पट्टाधारक समितियों, समूहों और व्यक्तिगत हितग्राहियों को समय पर अल्पावधि ऋण उपलब्ध कराना है। इससे मत्स्यपालक मत्स्यबीज, मत्स्य आहार, नाव, जाल और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे।

ऋण और ब्याज अनुदान की सुविधा: योजना के तहत ऋण सहकारी बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा जिस पर शासन द्वारा ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा इससे मछुआरों को आर्थिक सहायता समय पर मिल सकेगी और उनकी आजीविका मजबूत बनेगी। इच्छुक हितग्राही निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पट्टा संबंधी दस्तावेज कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग, वीथिका परिसर (कलेक्ट्रेट के सामने), में जमा कर सकते हैं

मछुआ समुदाय के जीवन स्तर में सुधार: कृषि कल्याण वर्ष के इस प्रयास से जिले में मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ मछुआ समुदाय के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है।

जानलेवा पेयजल: मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

संपादकीय

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?

लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था।

जल बचाने को लेकर एक वैज्ञानिक चर्चा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हाल ही में दुनिया भर में विश्व जल दिवस मनाया गया।ग्लोबल साइंस एकेडमी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, लैंगिक न्याय और सभ्यतागत मूल्यों को समुद्री कानून से जोड़कर जल बचाने की अंतरराष्ट्रीय कौशिश को हवा दी है।इस अवसर पर 5+5 ओशन डिकेड कॉन्फ्रेंस की डिजिटल प्रोसीडिंग्स भी लॉन्च की गई। यह आयोजन भारत और दक्षिण एशिया की समुद्री रणनीति में एक बड़े परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत कहा जा रहा है।

यह तकनीकी चर्चा ईद के बाद सांस्कृतिक चिंतन और नवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान आयोजित की गई। इस कार्यक्रम ने पारंपरिक आर्थिक विमर्श से ऊपर उठकर समुद्री कानून 2026 सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय सुरक्षा के बीच के अंतर्संबंधों को रेखांकित किया है।चर्चा सत्र की अध्यक्षता करते हुए ग्लोबल साइंस एकेडमी के संस्थापक निदेशक और मुंसिफ टीवी के ब्यूरो हेड डॉ. अनिल प्रताप सिंह ने जल को केवल एक संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि एक मौलिक सभ्यतागत मूल्य के रूप में परिभाषित किया। ऋग्वेद के श्लोकों और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि बीबीएनजे समझौते का कार्यान्वयन समानता पर आधारित होना चाहिए।उन्होंने कहा, सार्वजनिक स्वास्थ्य को समुद्री कानून के भीतर समाहित किया जाना चाहिए। तटीय शासन बीमारियों, विस्थापन और शोषण की जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। आज, हम सिद्धांतों से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हाशिए पर रहने वाले लोगों–ओशन विडो से लेकर मछली पकड़ने वाले समुदायों–की आवाज़ वैश्विक रिकॉर्ड में दर्ज हो।कार्यक्रम में छह महत्वपूर्ण कार्यात्मक ढांचों पर प्रकाश डाला गया, जो भविष्य में एकेडमी की वकालत की दिशा तय करेंगे।

डॉ. शिल्पा नंदी और डॉ. सतरूपा पाल ने समुद्री त्रासदियों के कानूनी अंतराल में खोई हुई महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक अदृश्यता और तस्करी के प्रति उनकी संवेदनशीलता को उजागर किया। डॉ. तुलिका चक्रवर्ती और डॉ. पत्राली सिन्हा ने हाशिए पर रहने वाले मछली पकड़ने वाले समुदायों में एचआईवी/एसटीआई सम्बन्धी देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य में मौजूद गंभीर कमियों पर विचार मंथन कर उन्हें दूर करने के उपाय सुझाए गए।डॉ सोमीरन दास और डॉ. सोमनाथ भट्टाचार्य ने टिकाऊ शासन के लिए समुदाय-संचालित और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य समाधानों पर जोर दिया।

जबकि डॉ. सतरूपा पाल और डॉ. शिल्पा नंदी के शोध ने अनियंत्रित तटीय पर्यटन में निहित स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों के प्रति आगाह किया।

डॉ. आलोक राय और डॉ. सोमीरन दास ने राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी को मानव तस्करी और अवैध मछली पकड़ने के नेटवर्क के खिलाफ सक्रिय लड़ाई से जोड़ा।सत्र में विन्निपेग, कनाडा से डॉ. अवनीश जॉली ने ग्लोबल नॉर्थ का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे जल शासन में स्वदेशी ज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य को एकीकृत करने का मेनिटोबा मॉडल दक्षिण एशियाई प्रणालियों के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। इन्वेंशन इंटेलिजेंस के पूर्व मुख्य संपादक डॉ. आर.के. अंथवाल का औपचारिक रूप से एकेडमी की आगामी डिजिटल पत्रिका जीएसए साइंस कम्युनिकेशन के प्रबंध संपादक के रूप में परिचय कराया गया। इस तकनीकी चर्चा के निष्कर्षों को अंतिम डिजिटल प्रोसीडिंग्स में एकीकृत किया गया जिसे त्रिभाषी श्रृंखला (हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू) में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया। यह आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम पर वैश्विक जर्नल के लॉन्च की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ गणेश शंकर विद्यार्थी

(प्रसंग वश- 25 मार्च बलिदान दिवस गणेश शंकर विद्यार्थी पर विशेष आलेख) है नहीं शमशीर मेरे हाथ में तो क्या हुआ, मैं अपनी कलम से ही करूंगा, दुश्मनों के सर कलम। निसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक,क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया।

डॉ.अशोक कुमार भार्गव

26 अक्टूबर1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई।पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया।1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अभ्युदय पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से

त्यागपत्र दे दिया।

1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है,

वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा

परमोद्देश्य हैऔर इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्त्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में,एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की

घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण,रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के

वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े।

विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें,

जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए,वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस

नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए।

विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है।

अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार प्रताप पर उन्हें जुर्माना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सौगातें प्राप्त हुई। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक

आंदोलन के समर्थन के साथ ही भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई।

यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है,मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है।

उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव,मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास नाइंटी थ्री का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे।

विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है।

अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई। जिस धार्मिक कट्टरता और उन्माद को शांत करने के लिए वे जीवन भर संघर्ष करते रहे उसी ने प्रताप को जीवन देने वाली लेखनी के साहसी योद्धा की जीवन यात्रा का ही जघन्य अवसान कर दिया।आजादी के लिए बलिदानों के महाकाव्य लिखने वाले असंख्य हुतात्माओं में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम सांप्रदायिक सद्भाव, मानवीय कल्याण, देश प्रेम देशभक्ति के निर्भीक इतिहास की वंदनीय शहादत बन गई।

उनका विश्वास था कि धर्म ने ज्ञान प्रचार का आदेश दिया, धार्मिक आडंबर ने घोर अज्ञान फैलाया।धर्म ने मनुष्य के सामने धर्म का सर्वश्रेष्ठ आदर्श रखा किंतु धार्मिक आडंबरों ने उसे पग पग पर पीछे धकेला है। मजहबी कर्मकांड और रस्मोंरिवाज की रक्षा करने के स्थान पर देश तथा राष्ट्र की रक्षा करना मनुष्य जाति की उन्नति के लिए कहीं अधिक आवश्यक है। स्वतंत्रता का पवित्र आदेश है कि किसी को किसी के ऊपर स्वेच्छाचार करने का किसी को किसी का अधिकार छीनने हक

नहीं होना चाहिए।

भूमंडलीकरण के इस दौर में मीडिया बाजार वाद के दबाव में है। पत्रकारिता को बिकाऊ बनाने के प्रयास तेजी से हो रहे हैं और व्यावसायिकता की गला काट प्रतिस्पर्धा ने अखबारों को उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया है। अतः भूमंडलीकरण के दुष्प्रभावों से पत्रकारिता को बचाना इस दौर की सबसे बड़ी चुनौती है। आवश्यकता इस बात की है कि गणेश शंकर विद्यार्थी की निर्भीक, निष्पक्ष, निडर, देशभक्ति और देश प्रेम की उत्कट भावनाओं से ओत प्रोत पत्रकारिता के उच्चतम प्रतिमानों को आश्वस्तीदायक बनाया जाए ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा, हमारी विपुल सांस्कृतिक धरोहरे और भारतीय जीवन दृष्टि अपने निर्मल स्वरूप में विश्वसनीयता के साथ राष्ट्रहित में विमर्श खड़ा करने के सामाजिक सरोकारों का दर्पण बन सकें।

(पूर्व आईएएस, मोटिवेशनल स्पीकर, इंदौर, म.प्र.)

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

एआई कौशल,नागरिक भागीदारी और सुलभ प्रसारण से बदलता भारत का डिजिटल भविष्य वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है।इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है।

विनोद कुमार सिंह

इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि

वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, 'यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी।'

यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालाँजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है। यह मंच केवल कंटेंट निर्माण का माध्यम नहीं,बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभि व्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी। तीसरी पहल,डीडी फ्री डिश के लिए इन-बिल्ट सैटेलाइट ट्यूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की सुविधा, सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने का प्रयास है। अब बिना सेट-टॉप बॉक्स के टेलीविजन देख पाना न केवल लागत को कम करेगा,बल्कि तकनीक के उपयोग को भी सहज बनाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहाँ संसाधनों की कमी के कारण लोग अब तक बेहतर प्रसारण सुविधाओं से वंचित थे। इन सभी प्रयासों के केंद्र में प्रसार भारती की भूमिका भी उल्लेखनीय है,जो सार्वजनिक प्रसारण को आधुनिक और सुलभ बनाने में निरंतर प्रयासरत है। यह स्पष्ट है कि सरकार केवल नई योजनाएँ लागू करने तक सीमित नहीं है,बल्कि वह एक ऐसे डिजिटल भविष्य का निर्माण कर रही है,जहाँ अवसर, अभिव्यक्ति और सूचना - तीनों का संतुलित विकास संभव हो। अंततः यह कहा जा सकता है कि आज व्यक्त किए गए केन्द्रीय सुचना प्रसारण मंत्री और सचिव के उद्गार केवल औपचारिक वक्तव्य नहीं हैं,बल्कि वे उस दिशा का संकेत हैं,जिसमें भारत आगे बढ़ रहा है। यह दिशा है-सशक्त नागरिक,सुलभ तकनीक और समावेशी विकास की। यदि इन पहलों को प्रभावी रूप से लागू किया गया,तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल डिजिटल दुनिया का उपभोक्ता होगा,बल्कि उसका नेतृत्व भी करेगा।

समय-सीमा बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कार्यालय में आज कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिले के सभी विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों एवं आगामी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

न्यायालयीन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश: बैठक की शुरुआत उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा से हुई कलेक्टर ने एसडीएम, बीईओ एवं जनपद सीईओ को इन मामलों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि न्यायालयीन मामलों में देरी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाती है डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने इसे जिले के विकास की 'रीढ़' बताया उन्होंने निर्देश दिए कि डीएमएफ से जुड़े सभी प्रस्ताव अब केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएं जिससे पारदर्शिता और बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर ने सभी विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे फाइलों का त्वरित निस्तारण होगा और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी बैठक में नालंदा परिसर, नर्सिंग कॉलेज, खेल विभाग, हाईस्कूल भवन, ट्रांजिट हॉस्टल सहित विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रगति की समीक्षा की गई संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए आधार सेवाओं और महिला बाल विकास योजनाओं पर जोर खड़गवां क्षेत्र में आधार किटों के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए गए दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में विशेष आधार शिविर आयोजित करने पर जोर दिया गया, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति आधार सुविधा से वंचित न रहे महिला एवं बाल विकास विभाग को आधार अपडेट, पोषण ट्रैकर एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए पीवीटीजी सर्वे को गंभीरता से लेते हुए ग्राम स्तर पर सर्वे टीमों का पूर्व निर्धारण करने के निर्देश दिए गए साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की लंबित भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया गया बैठक में कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, मनरेगा, अखरा विकास योजना, आदर्श ग्राम योजना सहित कई योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अतिक्रमण हटाने, बैलगाड़ी प्रोजेक्ट, उद्योग, पीडीएस भवन, डीप बोर एवं लैब स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी आवश्यक निर्देश दिए गए खाद्य विभाग ने जानकारी दी कि आगामी तीन माह का राशन एक साथ वितरित किया जाएगा। साथ ही सभी हितग्राहियों का ई-केवाईसी 31 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बच्चों ने परीक्षा केंद्र की दूरी पर जताया विरोध, बैराड़ में ही परीक्षा कराने की रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बैराड़ क्षेत्र के शिवशंकर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा केंद्र दूर बनाए जाने का विरोध करते हुए मंगलवार को तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा यह ज्ञापन राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम नायब तहसीलदार को दिया गया छात्रों ने बताया कि उनका परीक्षा केंद्र शासकीय महाविद्यालय पोहरी निर्धारित किया गया है जो बैराड़ से लगभग 60 से 70 किलोमीटर दूर है छात्र भिलौड़ी, ऊमरी, कदवई, दुवैरा, बड़ोदा, सहक्षराम, फरारा, बूढ़दा, धोवनी, खांदी, महेशपुर और गोपालपुर सहित विभिन्न गांवों से आते हैं इन गांवों से बैराड़ की दूरी ही 40 से 50 किलोमीटर है छात्रों का कहना है कि इतनी लंबी दूरी तय कर भीषण गर्मी के बीच परीक्षा केंद्र तक पहुंचना उनके लिए संभव नहीं होगा उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलसचिव को पहले ही अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है छात्र-छात्राओं ने मांग की है कि परीक्षा केंद्र बैराड़ के किसी भी शासकीय विद्यालय या महाविद्यालय में बनाया जाए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस मामले में कोई निर्णय नहीं लिया गया तो वे आंदोलन करेंगे छात्रों ने बताया कि उनकी परीक्षाएं 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रही हैं इसलिए शीघ्र निर्णय लेना आवश्यक है।

ट्रैफिक व्यवस्था पर सख्त फैसला: सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों की एंट्री बंद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए मनेन्द्रगढ़ प्रशासन ने एक अहम और सख्त निर्णय लिया है अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत 23 मार्च 2026 से नगर के प्रमुख इलाकों में भारी एवं मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जाम और अव्यवस्था से राहत के लिए लिया गया फैसला प्रशासन के अनुसार, शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के पास लगातार ट्रैफिक दबाव बढ़ता जा रहा था। खासतौर पर गोदामों में लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही से पीक आवर्स में जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिससे आम जनता को परेशानी हो रही थी और जनसुरक्षा पर भी असर पड़ रहा था। नवीन आदेश के अनुसार, सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक निम्नलिखित क्षेत्रों में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा:

पीडब्ल्यूडी चौक से भगत सिंह चौक, हजारी चौक, छोटा सांई मंदिर चौक होते हुए खेड़िया तिराहा तक,जोड़ा तालाब सब्जी मार्केट और मेन मार्केट क्षेत्र, खेड़िया तिराहा (जेकेडी रोड) से शहर की ओर जाने वाला मार्ग, पीडब्ल्यूडी चौक से शहर प्रवेश मार्ग, हसदेव इन होटल के पास से शहर की ओर जाने वाला रास्ता, खाटू श्याम मंदिर रेलवे ओवरब्रिज से शहर प्रवेश मार्ग, बस स्टैंड डॉ. नियोगी पुलिया क्षेत्र से शहर की ओर आने वाले मार्ग।

आपातकालीन सेवाओं को मिली छूट: इस प्रतिबंध से एम्बुलेंस, स्कूल बस, नगर पालिका के वाहन, स्वच्छता कार्य में लगे वाहन तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को पूरी तरह छूट दी गई है ताकि आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों और जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हाईवे और संपर्क मार्गों पर भी सख्ती: आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंधित समय के दौरान बाहरी क्षेत्रों से आने वाले ट्रक और ट्रेलर राष्ट्रीय राजमार्ग-43 या उससे जुड़े संपर्क मार्गों पर खड़े नहीं किए जा सकेंगे, ताकि हाईवे पर जाम की स्थिति न बने।

उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई: प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

150 रुपए को लेकर विवाद में की हत्या, भाड़े को लेकर हुई थी कहासुनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पटेवरी गांव में 150 रुपए के मामूली विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई उसके चचेरे भाई ने पेट में चाकू मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गोपालपुर थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, पटेवरी गांव निवासी 57 वर्षीय माधव आदिवासी पिछले महीने मजदूरी के लिए आगरा गए थे उनके साथ चचेरा भाई रमेश आदिवासी और उसकी पत्नी अशर्फी भी गई थी रमेश कुछ दिनों बाद लौट आया था जबकि उसकी पत्नी मजदूरी करती रही लगभग 22 दिन बाद सभी मजदूर गांव वापस लौटे माधव ने रमेश से पहले 150 रुपए का भाड़ा चुकाने को कहा जिसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया देखते ही देखते यह कहासुनी बढ़ गई गुस्से में आकर रमेश ने चाकू निकाला और माधव के पेट में वार कर दिया गंभीर रूप से घायल माधव को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26

ऑनलाइन आवेदन की तारीख बढ़ी, अब 27 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए संचालित इस योजना में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवेदन की अंतिम तिथि अब 27 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी: जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई, नर्सिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राएं निर्धारित पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं आवेदन प्रक्रिया 23 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है और 27 मार्च 2026 तक जारी रहेगी। संस्थानों द्वारा प्रस्ताव लॉक कर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को भेजने की अंतिम तिथि: 29 मार्च 2026 शासकीय संस्था एवं जिला कार्यालय द्वारा स्वीकृति आदेश लॉक करने की अंतिम तिथि: 30 मार्च 2026 कोषालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषण की अंतिम तिथि: 31 मार्च 2026 निर्धारित समय-सीमा के बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा समय पर प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने पर संबंधित संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी पात्रता और आवश्यक दस्तावेज अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए पालक की वार्षिक आय सीमा: 2.50 लाख रुपये अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आय सीमा: 1.00 लाख रुपये आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज: स्थायी जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, पूर्व कक्षा की अंकसूची, छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित प्रणाली से किया जाएगा इसके लिए विद्यार्थियों का बैंक खाता सक्रिय और आधार से लिंक होना अनिवार्य है इस वर्ष सभी संस्थानों के लिए जियो-टैगिंग अनिवार्य की गई है। साथ ही एनएसपी पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन और संस्था प्रमुख एवं छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण भी जरूरी किया गया है।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन, कार की छत पर काटा केक: नशे में मिले युवक-युवती ओवरब्रिज किया जाम, लड़की समेत 4 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में हाईकोर्ट की सख्ती के बाद भी नेशनल हाईवे जाम कर बर्थ-डे सेलिब्रेशन का सिलसिला जारी है देर रात नेशनल हाईवे स्थित ओवरब्रिज पर 3 युवक और युवती शराब के नशे में जन्मदिन मना रहे थे इस दौरान कार की छत पर केक काटा गया और सामने बोनट पर चखना रखकर शराब पीने लगे पुलिस ने इस मामले में तीन युवक और युवती को गिरफ्तार किया है पूरा मामला सकरी थाना क्षेत्र का है दरअसल रात करीब 11:50 बजे सकरी पुलिस की टीम पेट्रोलिंग पर निकली थी इस दौरान जानकारी मिली कि रायपुर-कोरबा (पथरापाली नेशनल हाईवे) पर संबलपुरी ओवरब्रिज में काले रंग की कार में सवार युवक-युवती शराब पार्टी कर रहे हैं जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई वहां ओवरब्रिज पर हुडंई वर्ना कार हाईवे पर खड़ी थी वहीं कुछ युवक-युवती सड़क जाम कर बर्थ-डे सेलिब्रेट कर रहे थे पुलिस टीम ओवरब्रिज पर पहुंची तो कार बीच सड़क पर खड़ी मिली जिससे आवागमन बाधित हो रहा था कार के पास तीन युवक और एक युवती मौजूद थे जो चखना खा रहे थे वाहन की तलाशी लेने पर अंदर कटा हुआ केक भी मिला जिससे स्पष्ट हुआ कि मौके पर जन्मदिन मनाया जा रहा था पुलिस की पूछताछ में पता चला कि कोरबा के गोकुल नगर निवासी निहाल शांडिल्य (22) का जन्मदिन था वो अपने दोस्त अतुल वर्मा (21), प्रियांशु चौरसिया (19) और राजकिशोर नगर की एक युवती अदिति भंडारी (19) के साथ जन्मदिन मनाने निकला था पुलिस ने एल्कोमीटर से जांच की तब पता चला कि युवती सहित सभी युवक शराब के नशे में थे मेडिकल कराने पर भी उनके नशे में होने की पुष्टि हुई जिस पर पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया इनके खिलाफ बीएनएस और मोटर व्हीकल एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है थाना प्रभारी ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर यातायात बाधित करना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई होगी पुलिस ने इस मामले में तीन युवक और युवती को गिरफ्तार किया है। बता दें कि, हाईकोर्ट ने नेशनल हाईवे जाम कर स्टंटबाजी और बर्थ-डे सेलिब्रेशन पर पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं इसके बाद भी लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं जिसमें युवक कार और बाइक पर स्टंटबाजी करने के साथ ही नेशनल हाईवे पर बर्थ-डे सेलिब्रेट कर रहे हैं हालांकि पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार सख्ती से कार्रवाई करने का दावा कर रही है।

जल समस्या पर कांग्रेस का प्रदर्शन,फसल नुकसान का सर्वे कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया यह रैली माधव चौक से शुरू हुई जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता एलपीजी सिलेंडर के प्रतीकात्मक बैनर पहनकर शामिल हुए प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष शशि शर्मा ने नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के खिलाफ नारेबाजी करवाई कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया कि शहर में एलपीजी गैस की भारी कमी है लोगों को सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है और 20-25 दिनों तक सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है उन्होंने गैस आपूर्ति नियमित करने और बढ़ी हुई कीमतों को कम करने की मांग की ज्ञापन में शिवपुरी शहर में गहराते पेयजल संकट का भी उल्लेख किया गया इसमें बताया गया कि मड़ीखेड़ा डैम से होने वाली जलापूर्ति कई वार्डों में 10 से 15 दिनों तक बाधित रहती है जिससे लोगों को गंदा पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है कांग्रेस ने इसे जनस्वास्थ्य का गंभीर मुद्दा बताते हुए तत्काल समाधान की मांग की इसके अतिरिक्त, हाल ही में हुई ओलावृष्टि और बारिश से किसानों की फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराकर जल्द मुआवजा देने की मांग भी उठाई गई कांग्रेस ने गेहूं की एमएसपी 3000 रुपए घोषित कर खरीदी केंद्रों पर तत्काल तौल शुरू कराने की बात भी कही कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों पर भी चिंता व्यक्त की और शासन से दामों में राहत देने की मांग की इसी बीच, पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने मेडिकल कॉलेज के पास चल रहे स्वास्थ्य शिविर पर सवाल उठाए उन्होंने इसे दिखावा बताते हुए आरोप लगाया कि शिविर में इलाज के बजाय केवल फोटो सेशन और राजनीतिक गतिविधियां हो रही हैं।

स्ट्रेटेजी-विजन-हम्बल एप्रोच से बिजनेस को नया नजरिया दे रहे दिव्यांश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। फिल ग्रुप के युवा डायरेक्टर दिव्यांश झा का कहना है कि इंदौर का लीडरशिप प्रोग्राम उनके लिए एक अहम लर्निंग अनुभव रहा यहां से मिली समझ और फैकल्टी से सीखी गई बातें अब वे अपने बिजनेस में लगातार अप्लाई कर रहे हैं जिससे काम करने का नजरिया और काम करने का तरीका दोनों में सकारात्मक बदलाव आया है वे बताते हैं कि इस प्रोग्राम में देशभर से अलग-अलग क्षेत्रों के बिजनेस लीडर्स जुड़े थे कुछ अनुभवी सीनियर थे तो कुछ उनकी ही उम्र के युवा उद्यमी हर किसी से कुछ नया सीखने को मिला इस दौरान कई अच्छे कनेक्शन बने कुछ दोस्त भी बने जिनसे आज भी उनका संपर्क बना हुआ है इस लीडरशिप प्रोग्राम के बाद उनके व्यक्तित्व में बड़ा बदलाव आया है अब वे स्ट्रैटेजिक प्लानिंग पर ज्यादा ध्यान देते हैं साथ ही विनम्रता और संतुलन भी उनके काम करने के तरीके का हिस्सा बना है एआई को लेकर उनका नजरिया साफ है वे मानते हैं कि इंडस्ट्रियल काम अभी भी मेन पावर पर आधारित है इसलिए एआई की भूमिका सीमित है। हालांकि वे यह भी जोड़ते हैं कि तकनीक का उपयोग समझदारी से होना चाहिए लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर होना सही नहीं है अपने जैसे युवा लीडर्स को वे सलाह देते हैं कि उनका विजन स्पष्ट होना चाहिए और फोकस भी उतना ही मजबूत यही दो बातें उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

सीएमओ और लेखपाल 33 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

ठेकेदार से बिल पास करने के एवज में मांगे थे 53 हजार रुपए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य नगर पालिका अधिकारी और लेखापाल को ठेकेदार से 33 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है सीएमओ और लेखापाल ने ठेकेदार से बिल पास कराने के लिए कुल 53 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी जिसमें से पहले ही 20 हजार रुपए ठेकेदार ने दे दिए थे ठेकेदार ने इस मामले की शिकायत सरगुजा एसीबी से की थी एसीबी की टीम ने दोनों अधिकारियों को उनके कार्यालय में रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया जानकारी के अनुसार, ठेकेदार चंद्रमणि वर्मा ने एसीबी में लिखित शिकायत दी थी उन्होंने बताया कि वे नगर पालिका में ठेकेदारी का काम करते हैं लगभग डेढ़ साल पहले वार्ड नंबर 08, सरोवर मार्ग में सड़क निर्माण का काम किया गया था इस काम के लिए अधिकारियों ने 9 प्रतिशत रिश्वत की मांग की थी।

ठेकेदार ने बिल रोकने की शिकायत एसीबी से की: चंद्रमणि ने बताया कि रिश्वत की बाकी राशि नहीं देने पर उसका फाइनल बिल भुगतान नहीं किया जा रहा था उन्होंने पहले ही 20 हजार रुपए रिश्वत के रूप में दे दिए थे फाइनल बिल पास करने के लिए जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी इसहाक खान और लेखापाल सुशील कुमार से मुलाकात की तो अधिकारियों ने कहा कि फाइनल बिल तभी बनेगा जब बाकी 33 हजार रुपये भी दे दिए जाएं। चंद्रमणि रिश्वत नहीं देना चाहता था। ऐसे में उसने इस मामले की शिकायत सरगुजा एसीबी से की।

एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ने बिछाया जाल: एसीबी ने शिकायत की सत्यता की जांच करने के बाद इस ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया एसीबी की टीम अंबिकापुर से प्लानिंग के तहत मनेंद्रगढ़ पहुंची थी टीम ने एक शिकायत के आधार पर जाल बिछाया जैसे ही लेखापाल ने रिश्वत की रकम स्वीकार की एसीबी ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया कार्रवाई के दौरान 33 हजार रुपए नगद बरामद किए गए है।

ठेकेदार बोला- लंबे समय से परेशान कर रहे थे: ठेकेदार ने बताया कि उन्हें बिल भुगतान के लिए लंबे समय से परेशान किया जा रहा था और बिल पास करने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी इसके बाद ठेकेदार ने एसीबी से संपर्क किया। दोनों आरोपियों से मौके पर पूछताछ की गई और उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत हिरासत में ले लिया गया है।

कॉन्स्टेबल भर्ती में खाली पद वेटिंग लिस्ट से भरेंगे, एक कैंडिडेट का कई जिलों में सिलेक्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा से जुड़े विवाद पर हाईकोर्ट ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए अहम फैसला सुनाया है कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा से जुड़े विवाद पर हाईकोर्ट ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए अहम फैसला सुनाया है कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा से जुड़े विवाद पर हाईकोर्ट ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए अहम फैसला सुनाया है जस्टिस पीपी साहू ने स्पष्ट किया है कि सूची जारी होने के बाद भी अगर पद खाली रहते हैं तो उन्हें वेटिंग लिस्ट (प्रतीक्षा सूची) के अभ्यर्थियों से भरा जाएगा कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सबसे पहले चयन सूची में शामिल उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाए और उनकी जॉइनिंग सुनिश्चित की जाए इसके बाद कुछ पद खाली रह जाते हैं तो उन पदों को वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों को मौका देकर भरा जाए।

कांबिंग गस्त में पकड़े गए 3 आरोपी कई महीने से फरार थे; न्यायालय में पेश किया गया

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल कोतवाली पुलिस ने स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन स्थायी और तीन गिरफ्तारी वारंट तामील कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्हें बाद में न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गणेश पांसे (38) निवासी देशबंधु वार्ड टिकारी, संजू उईके (22) निवासी प्रताप वार्ड टिकारी और विशाल उईके (27) निवासी भयावाड़ी शामिल हैं। संजू उईके पर स्थायी और गिरफ्तारी दोनों तरह के वारंट लंबित थे। इसी अभियान के तहत, न्यायालय से जारी कैंसिल आदेश के आधार पर इंदिरा उर्फ ईदु बारसे (40) निवासी छुरी पाढर और नितिन हजारे (35) निवासी विकास नगर गंज बैतूल के वारंट निरस्त किए गए। इस कार्रवाई में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक बसंत अहके, छत्रपाल धुर्वे, उत्तम मस्तकार, सहायक उप निरीक्षक राजेश मालवीय और अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

छतरपुर फोरलेन हादसे में पन्ना के युवक की मौत इलाज करवाकर लौटते समय कार पलटी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में झांसी-खजुराहो फोरलेन पर बागेश्वर धाम तिराहे के पास सोमवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पन्ना जिले के अमानगंज निवासी 30 वर्षीय शिवम विश्वकर्मा की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मनीषा और साला शुभम घायल हो गए। डेढ़ साल का बेटा मोक्ष सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार, शिवम विश्वकर्मा (30) अपनी पत्नी मनीषा (25) और डेढ़ साल के बेटे मोक्ष के साथ नौगांव से इलाज कराकर अपने घर अमानगंज लौट रहे थे। उनके साथ मनीषा का भाई शुभम (19) भी कार में सवार था। इसी दौरान सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से कार सड़क किनारे जाकर पलट गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टर जयदीप रैकवार ने शिवम विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। नौगांव में इलाज के लिए आया था परिवार

हादसे में डेढ़ साल के बच्चे मोक्ष को गंभीर चोटें नहीं आई, हालांकि एहतियात के तौर पर उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। मनीषा को भी चोटें आई हैं, लेकिन सदमे के कारण उन्हें हादसे की ज्यादा जानकारी नहीं है। शुभम के हाथ-पैर में चोटें आई हैं। बताया गया है कि मनीषा पिछले तीन दिनों से खांसी और बुखार से पीड़ित थीं, जिसके इलाज के लिए परिवार नौगांव गया था। वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। डॉक्टरों ने परिजनों के आने तक मनीषा को पति की मौत की जानकारी नहीं दी। फिलहाल, पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

मंदसौर में पति को रोकने महिला ने जहर खाया:मजदूरी के लिए गुजरात जाने को लेकर विवाद हुआ था

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के रेवास देवड़ा गांव की एक महिला ने अपने पति को गुजरात काम पर जाने से रोकने के लिए जहरीले पदार्थ का खा लिया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे मंदसौर जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, धापू बाई (40) पति नन्दलाल भील निवासी रेवास देवड़ा ने यह कदम उस समय उठाया जब उनके पति नन्दलाल मजदूरी के लिए गुजरात वापस जाने की तैयारी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि नन्दलाल पिछले करीब 3 वर्षों से गुजरात में मजदूरी का काम कर रहे हैं। करीब एक माह पहले वह अपने छोटे भाई राकेश के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झाबुआ जिले के पास स्थित ग्राम थांदला आए थे। इसके बाद से वह कभी मंदसौर तो कभी थांदला में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि सोमवार को नन्दलाल अपने घर रेवास देवड़ा पहुंचे थे और यहां से उन्हें वापस गुजरात काम पर जाना था। लेकिन उनकी पत्नी धापू बाई नहीं चाहती थीं कि वह दोबारा गुजरात जाएं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई, जिसमें नन्दलाल ने जल्द ही काम पर लौटने की बात कही। इसी का सेवन कर लिया।

NDPS मामले में मेहमान बने आरोपी ! 6 घंटे मेहमाननवाजी, फोन के बाद रिहाई कॉल डिटेल से खुल सकती है पूरी गुत्थी

मीडिया ऑडीटर, रीवा। नशे के खिलाफ सख्त माने जाने वाले NDPS Act के तहत एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि जिन युवकों को NDPS जैसे कड़े कानून में पकड़ा गया उन्हें थाने में आरोपी नहीं बल्कि मेहमान की तरह रखा गया और फिर रहस्यमयी परिस्थितियों में छोड़ दिया गया।

कोटर थाना क्षेत्र के अबेर गांव से पकड़े गए दो युवकों को पुलिस टीम सेमरिया लेकर पहुंची। टीम में एएसआई और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे जिन्होंने उन्हें मेमोरेंडम के आधार पर हिरासत में लिया था। लेकिन थाने पहुंचने के बाद जो घटनाक्रम सामने आया उसने पूरे मामले को संदेह के घेरे में डाल दिया।

सूत्र बताते हैं कि आरोपियों को थाने में लाने के बाद न तो तुरंत एफआईआर दर्ज की गई और न ही NDPS Act के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई। इसके बजाय दोनों को सीधे निरीक्षक कक्ष में बैठा दिया गया जहां वे करीब 6 घंटे तक मौजूद रहे दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक। इस दौरान न कोई स्पष्ट पूछताछ दर्ज हुई और न ही कोई दस्तावेजी कार्रवाई सामने आई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है कि इस दौरान सेमरिया थाना प्रभारी जो उस समय रीवा में मौजूद थे से लगातार फोन पर बातचीत होती रही। सूत्रों के मुताबिक शाम होते-होते अचानक पूरा घटनाक्रम पलट गया और दोनों आरोपियों को बिना किसी ठोस कार्रवाई के छोड़ दिया गया।

यहीं से शुरू होता है असली सस्पेंस। चर्चा है कि फोन कॉल्स के इस सिलसिले के बीच कुछ खास लोगों की एंट्री हुई और कथित तौर पर अंदरखाने कोई डील फाइनल हुई। हालांकि इस कथित लेन-देन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन जिस तरीके से मामला पलटा उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला सामने आने के बाद उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लिया और थाना प्रभारी से केस डायरी तलब की गई है। लेकिन कार्रवाई की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि इतनी गंभीर घटना की जांच किसी वरिष्ठ IPS अधिकारी द्वारा सीधे नहीं की जा रही बल्कि अधीनस्थ अधिकारियों को सौंपी गई है।

अब जांच के दायरे में एक अहम पहलू और जुड़ गया है। सूत्रों और जानकारों का मानना है कि जिस दिन यह पूरा घटनाक्रम हुआ उस दिन रीवा में मौजूद थाना प्रभारी एएसआई और संबंधित पुलिसकर्मियों के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) का मिलान किया जाए तो अबेर गांव से सेमरिया और फिर रीवा तक की पूरी कड़ी स्पष्ट हो सकती है। कॉल डिटेल का विश्लेषण इस मामले में हुए संभावित संपर्क निर्देश और निर्णय प्रक्रिया की सच्चाई उजागर कर सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि NDPS जैसे सख्त कानून में भी इस तरह सेटिंग की आशंका बनेगी तो कानून का डर खत्म हो जाएगा। वहीं विशेषज्ञों का भी मानना है कि ऐसे मामलों में तकनीकी साक्ष्य जैसे कॉल डिटेल जांच का महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। फिलहाल पुलिस विभाग की चुप्पी इस रहस्य को और गहरा रही है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कॉल डिटेल जैसे अहम पहलुओं को जांच में शामिल कर सच्चाई सामने लाई जाएगी या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

अचानक बढ़ी गर्मी, 24 घंटे में 4 डिग्री बढ़ा तापमान खंडवा में गणगौर पर्व समापन के साथ धूप का असर

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में सोमवार को गर्मी में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला हैं। महज एक दिन के भीतर दिन का तापमान 4 डिग्री बढ़ गया हैं। एक दिन पहले रविवार को दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं सोमवार को यही तापमान 35.1 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अब तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी होती रहेगी। बता दें कि, खंडवा में गणगौर पर्व के समापन के बाद यह हालात मौसम में अचानक परिवर्तन को लेकर बने हैं। पिछले तीन दिनों से हल्के बादल छाए रहे तो वहीं ग्रामीण अंचल के कई इलाकों में बारिश का असर तक रहा। ऐसे में तापमान में गिरावट हुई हैं। 21 मार्च की बात करें तो

दिन का तापमान 35.1 डिग्री था और 22 मार्च को यही तापमान 31.1 डिग्री पर आ गया। अब एक दिन बाद ही फिर से वैसे हालात बने और बादलों के छंटते ही तापमान बढ़ गया।

रात का तापमान भी एक डिग्री बढ़ा : एक तरफ जहां दिन के तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ हैं। वहीं रात का तापमान भी बढ़ा हैं। रात के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ हैं। अब तापमान 18 डिग्री पार हो गया हैं। यही दो दिन पहले तक 17 डिग्री सेल्सियस तक रहा हैं। हालांकि, ठंडी हवाएं चलने से तापमान में बढ़ोतरी का असर सामान्य रहा हैं।

वैश्विक बदलाव से बारिश तो कभी तेज धूप : जला कृषि मौसम इकाई के मौसम एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता के अनुसार वैश्विक गर्माहट के कारण हर माह बारिश हो रही है। इसका मुख्य कारण कार्बन डाई ऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ना है। खाड़ी क्षेत्रों में युद्ध की स्थिति भी बनी है। इससे पश्चिम विक्षोभों की स्थिति साल दर साल बढ़ती जा रही है।

इससे कहीं बारिश तो कहीं एकदम से धूप तेज निकलती है तो कहीं बारिश होने के बाद ठंडक बढ़ जाती है। यह स्थिति मौसम को परिवर्तित कर रही है।

खरगोन में चलती कार में लगी आग, ड्राइवर को बचाया

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के भगवानपुरा क्षेत्र में सोमवार सुबह एक चलती स्कॉर्पियो कार में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने कार का कांच तोड़कर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे उसकी जान बच गई। आग से कार का अगला हिस्सा बुरी तरह जल गया। यह घटना देवनालिया पंचायत क्षेत्र में हुई। कार में सवार आदिवासी ग्रामीण सेमलिया से ओंकारेश्वर अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे। सेमलिया निवासी हमा पटेल अपनी पत्नी की अस्थियां विसर्जित करने के लिए परिवार के साथ जा रहे थे। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पहुंचने पर वाहन में अचानक आग लग गई।

ऑटो चालक बिजली विभाग की सीढ़ी से टकराया, गंभीर हालत में एडमिट

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह के जबलपुर नाका क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक ऑटो चालक बिजली विभाग की गाड़ी में रखी सीढ़ी से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना जबलपुर नाका चौकी के समीप हुई। मारूताल गांव निवासी 40 वर्षीय तान सिंह लोधी अपना ई-रिक्शा लेकर मारुताल से जबलपुर नाका की ओर आ रहे थे। इसी दौरान, जबलपुर नाका के पास बिजली विभाग की एक गाड़ी खड़ी थी, जिसकी सीढ़ी गाड़ी की बॉडी से बाहर निकली हुई थी। तान सिंह का ऑटो रिक्शा उसी निकली हुई सीढ़ी से टकरा गया और सड़क पर पलट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने ऑटो को सड़क से हटाया और घायल तान सिंह को उठाया। बिजली विभाग के कर्मचारी अपने वाहन से ही उसे जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों के अनुसार, घायल तान सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है और उनका इलाज जारी है।

तान सिंह ने बताया कि बिजली विभाग की सीढ़ी गाड़ी से बाहर निकली होने के कारण उनका ऑटो उससे टकरा गया और वे घायल हो गए। बिजली विभाग के सहायक अभियंता (एई) सीपी चोपड़ा ने घटना की जानकारी मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि घायल का उचित इलाज कराया जाएगा और इस मामले में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

1 आधार से जारी किए 32 सिम, सीहोर में सायबर ठगी का नेटवर्क उजागर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में 'ऑपरेशन फेस' के तहत आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी सिम कार्ड जारी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। बुदनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चिन्हित प्रकरण के आधार पर की गई। जांच के दौरान पुलिस को फर्जी सिम जारी करने का मामला सामने आया।

आधार कार्ड से जारी किए 32 सिम : जांच में पाया गया कि शेरसिंह मीना और शिवम मीना (निवासी महुकला, थाना बुदनी) के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म (ष्टस्न) बनाए गए और कुल 32 सिम कार्ड जारी किए गए।

15 सिम की पुष्टि, बाकी की जांच जारी : अब तक 15

फर्जी सिम कार्डों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि बाकी सिम कार्डों की जांच जारी है। पुलिस को आशंका है कि इन सिम का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में किया गया होगा। जांच में पीओएस धारक जय भाटिया और उसके साथी मनोज कुशवाह की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

इन धाराओं में मामला दज : आरोपियों के खिलाफ थाना बुदनी में धारा 468, 471, 120(बी) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

देवास में विवाद के बाद किसान की संदिग्ध मौत शादी समारोह से लौटते वक्त बाइक सवार युवकों से हुई थी कहासुनी

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास जिले के बांगरदा गांव में सोमवार रात एक मामूली विवाद के बाद 56 वर्षीय किसान बाबूलाल हटेसिंह चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

शादी समारोह से लौट रहे थे किसान : मृतक के छोटे भाई गजराज सिंह ने बताया कि बाबूलाल केलाद गांव से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। उनके साथ कार में भतीजा शुभम और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। बताया गया कि केलाद रोड स्थित बांगरदा चौराहे पर उनकी कार को धीरे चलाने की बात को लेकर बाइक सवार कुछ युवकों से कहासुनी हो गई थी। यह विवाद उस समय तो शांत हो

गया, लेकिन बाद में मामला फिर से बढ़ गया।

घर पहुंचने के बाद बढ़ा विवाद : परिजनों का आरोप है कि बाबूलाल के घर पहुंचने के कुछ समय बाद वही युवक वहां आ पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया। परिजनों का कहना है कि विवाद के दौरान कथित तौर पर पत्थरबाजी हुई, जिसमें बाबूलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित : अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बाबूलाल को मृत घोषित कर दिया।।टना के बाद पूरे गांव में तनाव और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजनों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। बताया गया कि केलाद रोड स्थित बांगरदा चौराहे पर उनकी कार को धीरे चलाने की बात को लेकर बाइक सवार कुछ युवकों से कहासुनी हो गई थी। यह विवाद उस समय तो शांत हो गया, लेकिन बाद में मामला फिर से बढ़ गया। हालांकि पुलिस ने अभी तक पत्थरबाजी और हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार : बरोठा थाना प्रभारी सविता जाटव के अनुसार, फिलहाल इस मामले में कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना में क्या हुआ और मौत का वास्तविक कारण क्या है। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच जारी है।।

रायसेन में चलती ट्रेन से गिरा युवक, मौत

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के दीवानगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। पुलिस को सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद दीवानगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक की पहचान इटावा (उत्तर प्रदेश) निवासी रवि पिता वासुदेव सिंह के रूप में हुई है। युवक के पास से मिले बैग में रखे दस्तावेजों और मोबाइल फोन के जरिए उसकी शिनाख्त की गई। पुलिस के अनुसार, युवक ग्वालियर से वारंगल की यात्रा कर रहा था। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि वह चलती ट्रेन से गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दीवानगंज अस्पताल के मोर्चरी रूम में रखवा दिया है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दीवानगंज पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

यशस्वी-वैभव ओपनर, रियान नंबर 4

6.50 करोड़ी खिलाड़ी बाहर

पूर्व भारतीय ओपनर ने चुनी राजस्थान की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व धाकड़ ओपनर बल्लेबाज श्रीकांत ने आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स की प्लेइंग इलेवन का चयन किया। श्रीकांत ने इस टीम में भारतीय पेसर तुषार देशपांडे को जगह नहीं दी जिसे राजस्थान ने इस सीजन के लिए 6.50 करोड़ में रिटेन किया था। तुषार ने पिछले सीजन में संघर्ष किया था और 10 मैचों में 9 विकेट ही ले पाए थे, लेकिन वो एक उपयोगी बॉलर हैं इसमें कोई शक भी नहीं है।

रियान पराग को चौथे नंबर पर रखा

श्रीकांत ने ओपनर के रूप में बाएं हाथ के तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल का चयन किया जबकि तीसरे नंबर पर भी उन्होंने बाएं हाथ के कैरेबियाई बैटर शिमरोन हेटमायर रखा जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज के लिए खूब रन बनाए थे और अच्छी लय में भी हैं। श्रीकांत ने इस टीम में चौथे नंबर पर कप्तान रियान पराग को रखा जो बल्लेबाजी के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं।

- **टीम में दो ऑलराउंडर को दी जगह–** श्रीकांत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में 5वें स्थान पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को रखा जबकि उन्होंने टीम में दो ऑलराउंडर को जगह दी। रविंद्र जडेजा को उन्होंने छठे स्थान पर जबकि डोनोवान फरेरा को उन्होंने 7वें नंबर पर जगह दी। उन्होंने इस टीम में तीन तेज गेंदबाजों को जगह दी जिसमें जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर और संदीप शर्मा शामिल हैं। वहीं इस टीम में रवि बिश्नोई के रूप में उन्होंने एक स्पिनर को जगह दी।
- **3 तेज गेंदबाजों को किया शामिल–** श्रीकांत ने प्लेइंग इलेवन का चयन करते हुए कहा कि ये टीम अच्छी दिख रही है, लेकिन चैंपियन बनने के लायक नहीं है। इस टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस टीम के टॉप 4 में पहुंचने की संभावना 50-50 है। आपको बता दें कि राजस्थान ने आईपीएल खिताब साल 2008 में जीता था और उसके बाद से ये टीम कभी चैंपियन नहीं बना पाई।

'प्लेऑफ तो क्या, टॉप 6 में भी नहीं रहेगी पंत की टीम'

IPL 2026 से पहले CSK के पूर्व खिलाड़ी ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद आईपीएल 2026 में एक नई शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंत ने पिछले सीजन में यानी आईपीएल 2025 में पहली बार लखनऊ की कप्तानी की थी और ये टीम 7वें स्थान पर रही थी।

टॉप 6 में भी नहीं जगह बना पाएगी लखनऊ की टीम– लखनऊ की टीम ने पंत की कप्तानी में आईपीएल 2025 में 14 में से सिर्फ 6 मैच जीत पाई थी और 8 मैचों में उसे हार मिली थी। पंत आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में इस लीग के इतिहास में ?27 करोड़ की कीमत के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी थे। इसके बावजूद यह भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज लखनऊ के लिए कप्तान और खिलाड़ी दोनों ही भूमिकाओं में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाया। पंत के खराब प्रदर्शन के बावजूद लखनऊ ने उन पर भरोसा जताया और आने वाले इस सीजन के लिए उन्हें कप्तान बनाए रखने का फैसला किया। इस सीजन में ये टीम एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। आईपीएल 2026 से पहले भारत और सीएसके के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने लखनऊ को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस बयान से साफ लगता है कि लखनऊ टीम में टॉप टीमों से मुकाबला करने की क्षमता ही नहीं है। अश्विन ने यूट्यूब चैनल पर कहा कि इस सीजन के टॉप 3 टीमें तो पहले से ही तय हैं और चौथे, पांचवें व छठे स्थान के लिए जबरदस्त टक्कर होगी, लेकिन लखनऊ इसका हिस्सा नहीं होगी। लखनऊ की टीम टॉप 6 में भी जगह नहीं बना पाएगी।

'यशस्वी सिर्फ मंत्री बनने लायक

रियान कैसे कप्तान बना यह सबको पता है', पूर्व भारतीय ओपनर की खरी-खरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन के जाने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के लिए रियान पराग को टीम का कप्तान बनाया जबकि इस टीम में यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी मौजूद थे। माना जा रहा था कि इनमें से किसी एक को कप्तानी दी जा सकती है, लेकिन आईपीएल 2025 में रियान के कप्तान के तौर पर खराब प्रदर्शन के बाद भी राजस्थान ने उन्हें ही कप्तान बनाया।

बस मंत्री बन सकते हैं यशस्वी जायसवाल– रियान पराग को कप्तान बनाए जाने

के बारे में बात करते हुए टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज श्रीकांत ने राजस्थान को आड़े हाथों लिया और इसे एक गलत फैसला बताया। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए श्रीकांत ने कहा कि सबको पता है कि रियान पराग राजस्थान का कप्तान कैसे बना। वहां उसके साथ राजा जैसा बर्ताव किया जाता है। इसलिए यशस्वी जायसवाल तो बस मंत्री ही बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल पराग का सीजन अच्छा नहीं रहा था, लेकिन उससे पिछले साल उसने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में उसने कुछ भी ऐसा कमाल (कप्तान के तौर पर) नहीं किया। आपको बता दें कि रियान पराग ने पिछले सीजन में राजस्थान की कप्तानी कई मैचों में की थी, लेकिन उसे ज्यादातर मैचों में हार ही मिली थी। वहीं पराग ने आईपीएल 2025 में लगभग 33 की औसत और 166 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 393 रन बनाए थे। पिछले सीजन में वो राजस्थान के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे।

खतरनाक नहीं है राजस्थान की टीम

श्रीकांत ने आगे कहा कि राजस्थान की टीम अच्छी दिख रही है और वो किसी भी टीम को अपसेट कर सकती है, लेकिन ये एक ऐसी साइड भी है जो खुद को तबाह भी कर सकती है। अगर टीम के टॉप 5 में से अगर 2 बल्लेबाज चल गए तो वो आईपीएल में किसी भी विरोधी टीम को स्मैश कर देंगे। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी का टीम में होना टीम का बिगेस्ट प्लस प्वाइंट है। ये अपने दम पर मैच को जीतने की ताकत रखते हैं, लेकिन ये अच्छी टीम है पर खतरनाक नहीं। ये चैंपियनशिप विनिंग साइड नहीं है और प्लेऑफ में पहुंचने का इस टीम के पास 50-50 का मौका है।

IPL 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का बड़ा अपडेट

मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर अब भी अनिश्चितता है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई अहम संकेत दिए हैं। मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर अब भी अनिश्चितता है, जबकि ओपनिंग कॉम्बिनेशन को लेकर टीम ने साफ किया है कि केएल राहुल सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल और कोचिंग स्टाफ ने माना कि पिछले सीजन की सबसे बड़ी कमजोरी ओपनिंग रही थी। इस बार ऑक्शन में इस मुद्दे पर खास तौर को टारगेट किया गया। अब सवाल यह है कि क्या दिल्ली कैपिटल्स अपनी पुरानी गलतियों से सीखकर इस सीजन नई शुरुआत कर पाएगी या मिचेल स्टार्क की अनिश्चितता और कॉम्बिनेशन की चुनौतियां फिर से रास्ता रोकेंगी।

मिचेल स्टार्क: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के जवाब का इंतजार– मीडिया से बातचीत में कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट डायरेक्टर वेणुगोपाल राव और हेड कोच हेमांग बदानी ने खुलकर अपनी बात रखी। मिचेल स्टार्क के बारे में अक्षर पटेल ने कहा, 'हमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जवाब का इंतजार है। हम उन्हें हह्ष्ट (अनापत्ति प्रमाणपत्र) मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अक्षर पटेल ने कहा, 'मिचेल स्टार्क आ रहे हैं, लेकिन उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के जवाब का इंतजार है, क्योंकि उन्हें अपनी फिटनेस के साथ-साथ अपने वर्कलोड को भी मैनेज करना है।' केएल राहुल और

ओपनिंग पोजिशन के बारे में हेमंग बदानी ने कहा, 'अगर आपकी ओपनिंग ठीक से काम नहीं कर रही है तो इसे सही करने का एकमात्र तरीका यह है कि आप किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढें जो हमारे लिए यह काम कर सके।'

दूर कर ली ओपनिंग स्लॉट की दिक्कत: हेमंग बदानी– हेमंग बदानी ने कहा, 'पिछले साल हम ऐसा नहीं कर पाए थे, इसलिए आपने पिछले सीजन में अभिषेक पोरेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, फाफ डुप्लेसिस और अन्य खिलाड़ियों के साथ बदलाव देखे। फाफ आधे समय चोटिल रहे थे। इस बार हमने कुछ ओपनर्स को चुना है। हम पृथ्वी शॉ के पास लौटे हैं।' हेमंग बदानी ने कहा, 'हमने बेन डकेट और पथुम निसांका को चुना है। हमने इन खिलाड़ियों को चुनकर इस समस्या को सचमुच हल कर लिया है। नीलामी में ओपनिंग स्लॉट हमारे लिए एक मुख्य लक्ष्य था और हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है।'

केएल राहुल बतौर ओपनर सबसे अच्छा विकल्प: अक्षर पटेल– अक्षर पटेल ने कहा, 'पिछले साल केएल राहुल मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे थे, क्योंकि टीम कॉम्बिनेशन ऐसा था। पिछले साल हमारे पास दो विदेशी खिलाड़ी थे जो सिर्फ शीर्ष क्रम में ही बल्लेबाजी कर सकते थे। हमने उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी नहीं कराई।' अक्षर पटेल ने कहा, 'हमने पिछले साल केएल राहुल को मध्यक्रम में ट्राई किया था। चोट और कॉम्बिनेशन के चलते हमने उन्हें प्रमोट किया। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, इसलिए हमने ये बदलाव किया। मुझे यकीन नहीं है कि मैं उन्हें फिर उसी पोजिशन पर खिलाऊंगा या नहीं, लेकिन बतौर ओपनर उन्होंने काफी अच्छा किया है।' अक्षर पटेल ने बताया, 'केएल राहुल ने उस पोजिशन में ढेर सारे रन बनाए हैं। मैं उन्हें बल्लेबाजी क्रम में किसी और नंबर पर खेलते हुए नहीं देखता। वह फ्रेंचाइजी के लिए संभावित ओपनर हैं। टी20 क्रिकेट में आपको अच्छी शुरुआत देनी जरूरी होती है। इससे बाद के बैटर्स के लिए आसानी होती है।'

'वैभव सूर्यवंशी प्रोफेशनल नहीं है', युवा ओपनर की रात को आइसक्रीम खाने की आदत से परेशान जितेश शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के शुरूहोने में कुछ ही दिन शेष बचे हैं और इस बार एक बार फिर से सब अपने चहेते राजस्थान के किशोर ओपनर वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने का इंतजार कर रहे हैं। वैभव ने पिछले सीजन में अपना पहला आईपीएल शतक लगाकर तहलका मचा दिया था और कई रिकॉर्ड बनाते हुए अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया था। वैभव को भारत के होनहार क्रिकेटर के रूप में देखा जा रहा है।

एबी ने की वैभव की तारीफ

वैभव के बारे में उनके साथी खिलाड़ी जितेश शर्मा और साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने यूट्यूब चैनल पर बातचीत की। एबी ने वैभव के बारे में कहा कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और मैंने उन्हें अंडर-19 के दौरान खेलते देखा था। आईपीएल और बड़ी लीग क्रिकेट का अनुभव लेने के बाद भी उसी स्तर को बनाए रखना हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन जिस तरह से उन्होंने अंडर 19 वर्ल्ड कप में खेला उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। अपनी उम्र के हिसाब से वह अविश्वसनीय रूप से समझदार हैं। एबी ने आगे कहा कि मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। वो अपनी गेम-प्लान पर कायम रहे और उन्होंने ठीक वैसे ही खेला जैसा वो आईपीएल 2025 में खेले थे। उसने किसी और जैसा बनने की कोशिश नहीं की और वह गेंदबाजों के प्रति घमंडी नहीं था। एबी से बात करते हुए जितेश शर्मा ने भी वैभव के बारे में बताया और उनके साथ निजी मुलाकातों के किस्से सुनाते हुए बताया कि बार-बार सलाह देने के बावजूद वैभव देर रात आइसक्रीम खाने की अपनी आदत नहीं छोड़ रहा है।

वैभव मेरी बात नहीं सुनते

जितेश शर्मा ने वैभव के बारे में कहा कि वो बिल्कुल भी प्रोफेशनल नहीं है और मैं यह बात पक्के तौर पर कह सकता हूं। जितेश ने फिर हंसते हुए कहा कि हर कोई उसे प्रोफेशनल बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह कभी ऐसा बन पाएगा कम से कम मैदान के बाहर तो बिल्कुल नहीं। मैदान पर वो शायद प्रोफेशनल बन जाए और मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा हूं। मैं उससे कहता हूं कि रात में आइसक्रीम मत खाओ लेकिन वह मेरी बात कभी नहीं सुनता।

'रिंकू सिंह को बनाओ KKR का कप्तान'

पूर्व भारतीय बैटर ने दी सलाह; कहा- कोहली से रहाणे सीखें बैटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बैटर मोहम्मद कैफ को लगता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स को रिंकू सिंह को टीम के फ्यूचर कप्तान के रूप में ग्रूम करना चाहिए। रिंकू सिंह इस टीम का अहम हिस्सा हैं और पिछले 8 साल से केकेआर के लिए खेल रहे हैं। कैफ के मुताबिक रिंकू सिंह के पास केकेआर टीम की कप्तानी करने का पेटेंशियल है।

रिंकू सिंह हैं ऑल फॉर्मेट प्लेयर

कैफ ने रिंकू सिंह के कप्तानी के बारे में बात करते हुए अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि वो ऑल फॉर्मेट प्लेयर हैं और केकेआर को उन्हें फ्यूचर कप्तान के रूप में ग्रूम करना चाहिए। वो टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वो हर प्रारूप में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। मैं यूपी से हूं और मुझे पता है कि उन्होंने यूपी के लिए क्या किया है। कई बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए हैं, लेकिन उनके रन से टीम को जीत मिली है। उन्होंने हर प्रारूप में यूपी टीम की कप्तानी की है और पूरी तरह से तैयार हैं।

रहाणे को कोहली से सीखने की जरूरत

कैफ ने कहा कि केकेआर पहले वेंकटेश अय्यर को कप्तान बनाना चाहती थी, लेकिन रहाणे के अनुभव को देखते हुए उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा कैफ ने रहाणे की स्पिन कमजोरी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। कैफ ने कहा कि कोहली भी इसी स्थिति में थे और स्पिन के खिलाफ रन नहीं बना पा रहे थे, लेकिन उन्होंने कुछ बदलाव किए और फिर स्पिनर की गेंदों पर रन बनाकर सबको चुप करा दिया। ये सबसे लिए एक बड़ा उदाहरण है और रहाणे को भी कोहली से सीख लेनी चाहिए।

इस सीजन के बीच में ही बनाना चाहिए कप्तान

कैफ ने साफ तौर पर कहा कि केकेआर को आईपीएल 2026 में रिंकू सिंह को लीडरशिप ग्रुप में एड करना चाहिए। कैफ ने कहा कि रिंकू सिंह मानसिक तौर पर इतने मजबूत हैं कि कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों के एक साथ मैनेज कर सकते हैं। वो ऐसे खिलाड़ी हैं जो पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन अब ये देखने वाली बात होगी कि क्या वो रहाणे के बाद उन्हें टीम का कप्तान बनाते हैं। केकेआर को रिंकू को इस सीजन के बीच में ही कप्तान बना देना चाहिए या फिर टीम का उप-कप्तान बनाना चाहिए। उन्हें लीडरशिप ग्रुप में लाएं और ये केकेआर के लिए लांग टर्म इनवेस्टमेंट होगा।

'अर्जुन तेंदुलकर खेलेगा ही नहीं'

लखनऊ के लिए अपनी प्लेइंग 11 चुनते हुए अश्विन की भविष्यवाणी; पंत-मार्श ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईपीएल 2026 से ठीक पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की प्लेइंग 11 का चयन किया, लेकिन इस दौरान उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर को लेकर साफ तौर पर कहा कि वो खेलेगा ही नहीं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर साफ तौर पर कहा कि अर्जुन तेंदुलकर को प्लेइंग 11 में मौका नहीं मिलेगा। अश्विन ने लखनऊ के ओपनर के रूप में ऋषभ पंत और मिचेल मार्श का चयन किया।

अर्जुन तेंदुलकर खेलेगा ही नहीं

आर अश्विन से पूछा गया कि इस बार अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ ने अपने दल में शामिल किया है और उन्हें लेकर चर्चा हो रही है तो क्या आप उनको खेलते हुए देख रहे हैं या उन्हें प्लेइंग 11 में चांस मिल सकता है। इसका जवाब देते हुए अश्विन ने साफ तौर पर कहा कि वो खेलेगा ही नहीं। अश्विन ने आगे कहा कि लखनऊ की लाइनअप में मयंक यादव है, मोहसिन खान है, आवेश खान है, मोहम्मद शमी है यानी इतने सारे फास्ट बॉलर्स हैं तो वो कहां से खेलेगा।

पंत-मार्श को बनाया ओपनर– अश्विन ने कहा कि मुझे अर्जुन के खेलने की संभावना नहीं लगती, लेकिन अगर टीम में कई सारे खिलाड़ी इंडर्ज हो जाते हैं तो फिर उसके खेलने की संभावना बन सकती है। इसके बाद अश्विन ने लखनऊ की प्लेइंग इलेवन का चयन किया जिसमें उन्होंने पंत और मार्श को ओपनर बनाया जबकि अर्शिन कुलकर्णी को तीसरे जबकि आयुष बदोनी को चौथे नंबर पर रखा। अश्विन ने टीम के आक्रामक बैटर निकोलस पूरन को बैटिंग क्रम में 5वां स्थान दिया।

3 तेज गेंदबाजों को टीम में दी जगह

अश्विन ने छठे नंबर पर अब्दुल समद को जगह दी जबकि शाहबाज अहमद को 7वें स्थान पर रखा। उन्होंने टीम में तेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद शमी, आवेश खान और मोहसिन खान को जगह दी जबकि स्पिनर के रूप में वानिंदू हसरंगा को अपनी प्लेइंग 11 में शामिल किया। 12वें खिलाड़ी के रूप में उन्होंने इस टीम में दिग्वेश राठी या एनरिच नॉर्खिया में से किसी एक को रखने की बात कही।

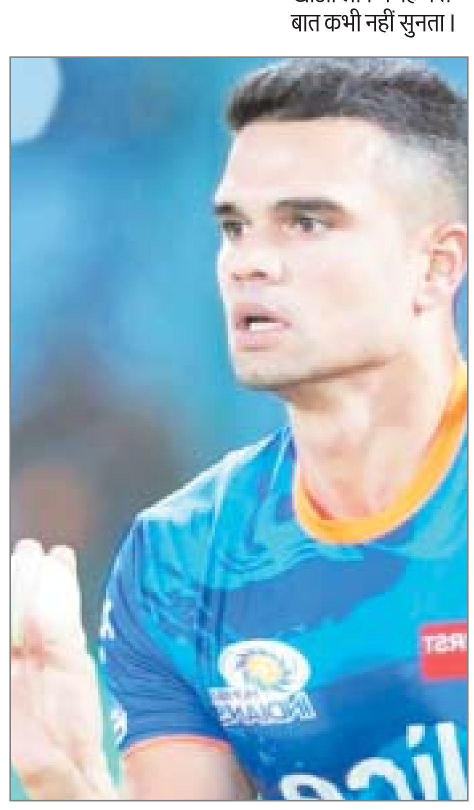

किसान कांग्रेस का प्रदर्शन: 7 सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के आव्हान पर जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित किया गया ज्ञापन में किसानों की 7 प्रमुख मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। इसमें गेहूं की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 4000 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित कर खरीदी किए जाने की मांग प्रमुख रही। इसके साथ ही भारत-अमेरिका कृषि व्यापार समझौते के तहत सोयाबीन तेल के टैक्स फ्री आयात पर रोक

लगाने की मांग भी की गई, जिससे स्थानीय किसानों को नुकसान न हो। किसान कांग्रेस ने सोसाइटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च से आगे बढ़ाने, तथा बिजली बिलों पर अस्थायी रोक लगाकर बकाया राशि आसान किस्तों में वसूलने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी। इसके अलावा, जिले के जिन किसानों का गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन नहीं हो सका है, उनका तत्काल पोर्टल पर पंजीयन कराने की भी मांग की गई सतना जिले के चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन दौरी बांध परियोजना को लेकर भी ज्ञापन में मुद्दा उठाया गया। इसमें बताया गया कि जिन आदिवासी किसानों को विस्थापित किया गया है, उन्हें वनाधिकार पट्टा होने के बावजूद मुआवजा नहीं दिया गया है। किसान कांग्रेस ने ऐसे प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा और भूमि उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान संतोष पाण्डेय ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2023 के संकल्प पत्र में किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये प्रति क्विंटल करने का वादा किया था, लेकिन अब तक मात्र 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देकर किसानों के साथ छल किया गया है। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव राजभान सिंह, मकसूद अहमद, उर्मिला त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर किसानों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

नेत्रदान कर अमर हुईं सूराज देवी माहेश्वरी, परिवार ने पेश की प्रेरणादायक मिसाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के प्रतिष्ठित माहेश्वरी परिवार की पूज्य माताजी सूराज देवी माहेश्वरी का 23 मार्च, सोमवार को निधन हो गया। उनके निधन के पश्चात परिजनों ने एक सराहनीय और प्रेरणादायक निर्णय लेते हुए नेत्रदान कराया, जिससे उनका जीवन समाज के लिए एक अमिट उदाहरण बन गया। स्वर्गीय सूराज देवी माहेश्वरी, वरिष्ठ समाजसेवी मणिकांत माहेश्वरी एवं मनमोहन माहेश्वरी की माताजी थीं। उनके निधन के उपरांत परिवारजनों के आग्रह पर 'अमर ज्योति' संस्था एवं 'भारत विकास परिषद' के सहयोग से नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस पुनीत कार्य में उत्तम बनर्जी तथा सद्गुरु की तकनीकी टीम की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने समय पर पहुंचकर सफलतापूर्वक नेत्रदान कराया। नेत्रदान के माध्यम से उनके दोनों नेत्र जरूरतमंद नेत्रहीन व्यक्तियों को प्रदान किए जाएंगे, जिससे दो अंधकारमय जीवन में नई रोशनी आएगी। यह कदम न केवल मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने वाला प्रेरक संदेश भी है। माहेश्वरी परिवार के इस निर्णय की शहरभर में सराहना की जा रही है। सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने इसे अनुकरणीय पहल बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील की है। यह पहल यह भी दर्शाती है कि मृत्यु के बाद भी व्यक्ति अपने अंगों के माध्यम से समाज के लिए उपयोगी बन सकता है स्वर्गीय सूराज देवी माहेश्वरी का अंतिम संस्कार माँ तारा देवी मुक्तिधाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके इस महान कार्य से वे सदैव समाज के दिलों में जीवित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को सेवा और त्याग की प्रेरणा देती रहेंगी।

3 पुलिसकर्मी सस्पेंड, बोरवेल पर बैन का झूठा डर दिखाकर मैनेजर से वसूले 5 हजार रुपए; आईजी के निर्देश पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के धारकुंडी थाना क्षेत्र के जमुआनी गांव में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बोरवेल खनन पर प्रतिबंध का झूठा डर दिखाकर मैनेजर से 5,000 रुपए की वसूली करने वाले तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर वसूली का यह मामला सामने आने के बाद आईजी गौरव राजपूत के निर्देश पर एसपी हंसराज सिंह ने धारकुंडी थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी बृजेश पटेल, विकास राजपूत और सुरेश मिश्रा पर तत्काल प्रभाव से यह कार्रवाई की है। गौरतलब है कि सतना जिले में नलकूप खनन पर वर्तमान में कोई प्रतिबंध लागू नहीं है। रात 1:30 बजे मशीन बंद कराई, मैनेजर को गाड़ी में बैठाया रीवा

जिले के सेमरिया निवासी बोरवेल संचालक रामबहोर यादव ने बताया कि उनकी मशीन जमुआनी गांव में बोरिंग कर रही थी। रात करीब 1:30 बजे दो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और मशीन बंद करवा दी पुलिसकर्मियों ने मैनेजर अजीत को बोरिंग पर प्रतिबंध होने की बात कही। इसी दौरान पुलिसकर्मी बृजेश पटेल ने मोबाइल पर प्रतिबंध का एक आदेश भी दिखाया और मैनेजर अजीत को अपनी गाड़ी में बैठा लिया थाना प्रभारी के नाम पर मांगे 10 हजार, 5 हजार लेकर छोड़ा पुलिसकर्मी मैनेजर अजीत को अपनी गाड़ी में बैठाकर पहले शुकवाह और फिर विजयपुर ले गए इस दौरान पुलिसकर्मी बृजेश ने थाना प्रभारी को 'मैनेज' करने के नाम पर 10,000 रुपए की मांग की पुलिसकर्मियों ने धमकी दी कि पैसे न देने पर बोरिंग मशीन थाने में खड़ी कर दी जाएगी। इस धमकी से डरकर मैनेजर अजीत ने बृजेश पटेल को 5,000 रुपए दे दिए, जिसके बाद उसे छोड़ा गया।

सोशल मीडिया पर खुला राज, जांच में हुई पुष्टि: वसूली का यह पूरा मामला सोमवार शाम सोशल मीडिया पर सामने आया। इसके बाद आईजी गौरव राजपूत ने मामले पर संज्ञान लेते हुए धारकुंडी थाने में पदस्थ पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच के आदेश दिए। जांच में इस बात की पुष्टि हुई कि प्रतिबंध का झूठा डर दिखाकर बोरवेल मैनेजर से 5,000 रुपए की वसूली की गई थी। इसके बाद आईजी के निर्देश पर एसपी हंसराज सिंह ने तीनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया।

बाण सागर मल्टी विलेज स्कीम से 126 गांवों को मिल रहा नियमित पेयजल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना बाणसागर मल्टी विलेज स्कीम के तहत मैहर जिले के प्रस्तावित 560 कुल गांवों में से 126 गांवों में स्कीम के माध्यम से नियमित रूप से पेयजल सप्लाई की जा रही है इनमें रामनगर के 84 गांव और मैहर के 42 गांव शामिल है इस आषय की जानकारी मंगलवार को मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक में दी गई। इस मौके पर विधायक कांत चतुर्वेदी जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, सदस्य धर उरमलिया, जयंती तिवारी, अध्यक्ष कमलेष सुहाने, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक अवधेष प्रताप सिंह, अपर कलेक्टर संजना जैन, डीएफओ

विद्याभूषण मिश्रा, एसडीएम दिव्या पटेल सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने कहा कि ग्रीष्मकाल में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू उपलब्धता सुनिष्चित की जाये मैहर जिले की सभी नल जल योजनाओं और हैण्डपम्पों का रख-रखाव और मरम्मत कार्य पहले से ही पूर्ण कर ले। किसी भी क्षेत्र में पेयजल का संकट नहीं होना चाहिए। सतना बाणसागर मल्टी विलेज स्कीम की जानकारी में महाप्रबंधक जल निगम पंकज तंतुवाय ने बताया कि योजना मे मैहर जिले के 560 गांवों को पेयजल दिया जायेगा जिसमें रामनगर के 166, मैहर के 224 और अमरपाटन के 170 ग्राम शामिल है अब तक कुल 126 गांवों को पेयजल की आपूर्ति दी जा रही है प्रभारी मंत्री ने कहा कि मैहर जिले में रेस्टोरेषन के कार्य उचित स्वरूप में कराये जाये। महाप्रबंधक ने बताया कि रेस्टोरेषन का 95 प्रतिषत कार्य पूर्ण कर लिया गया है योजना को पूर्ण करने की समय-सीमा दिसम्बर 2026 है।

सतना और मैहर जिले में होगा सहायक उपकरण वितरण षिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भगवान महाबीर दिव्यांग सहायता समिति जयपुर द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह शिविर सतना जिले में 2 अप्रैल से 6 अप्रैल 2026 तक कम्युनिटी हाल बिरला मार्केट सतना में तथा मैहर जिले में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक सूचना पर्यटक केन्द्र मैहर बस स्टैंड के पीछे आयोजित होंगे। शिविर में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम पैर, जयपुर फुट/हाथ, कैलीपर, बैसाखी, एल्बो क्रेच, वॉकर, रोलेटर, क्वाडिपॉड छड़ी, दृष्टिबाधितों के लिए छड़ी, व्हीलचेयर तथा श्रवण यंत्र जैसे विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

पहुंचीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर पूजा पार्षद सहित कई जनप्रतिनिधियों ने किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर मंगलवार को सतना पहुंचीं। यहां अल्प प्रवास पर आईं पूजा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया इस दौरान क्षेत्रीय विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, पार्षद आदित्य यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने उनका अभिनंदन किया। अतिथियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। समाजसेवी मनीषा सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश के शहडोल की रहने वाली पूजा वस्त्राकर ने सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम में

महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है पूजा ने कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, जिनमें आईसीसी विश्व कप भी शामिल है, में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनका जीवन संघर्ष, मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों, चोटों और चुनौतियों के बावजूद हार नहीं मानी उनकी सफलता न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। विशेष रूप से वे बेटियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरी हैं, जो यह संदेश देती हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

बिरसिंहपुर में बिजली कटौती पर हल्लाबोल: रितेश त्रिपाठी ने दी दो दिन की चेतावनी, आंदोलन की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। क्षेत्र में लगातार हो रही अनियमित बिजली कटौती और विद्युत विभाग की कथित मनमानी के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रितेश त्रिपाठी ने बिरसिंहपुर विद्युत विभाग के अधिकारियों पर जमकर नाराजगी जताई और जूनियर इंजीनियर (जेई) को फटकार लगाई। रितेश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा बिना किसी स्पष्ट कारण के पूरे गांवों की बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, जिससे आम जनता, विशेषकर किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने समय पर बिजली बिल जमा कर दिया

है, उनकी बिजली काटना पूरी तरह अनुचित और अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे सभी घरों की बिजली तुरंत बहाल की जाए, जिनका बिल भुगतान हो चुका है साथ ही चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के भीतर विद्युत विभाग ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया और गांवों की सामूहिक बिजली कटौती बंद नहीं की गई, तो वे क्षेत्र के किसानों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे रितेश त्रिपाठी ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर विद्युत विभाग कार्यालय में ताला बंदी जैसी कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी उनकी इस चेतावनी के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली से वे बेहद परेशान हैं लगातार बिजली कटौती और अधिकारियों की लापरवाही के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों में विभाग के खिलाफ गहरा आक्रोश देखा जा रहा है अब देखना यह होगा कि विभाग इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेता है और आने वाले दिनों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होता है या नहीं।

प्रभारी मंत्री ने किया डोम टीन शेड का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने अपने मैहर प्रवास के दौरान मंगलवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस परिसर में विधायक निधि से 40 लाख रूपये लागत के नव-निर्मित डोम टीन शेड का लोकार्पण किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि उन्हें अनुकूल वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके। इस अवसर पर विधायक कांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कॉलेज स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने कहा कि डोम टीन शेड के निर्माण से कॉलेज में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। साथ ही विद्यार्थियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

प्रभारी मंत्री ने पोडी में किया विभिन्न कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन ग्राम पंचायत को 1 करोड 15 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने मंगलवार को जिले के प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत पोड़ी को 1 करोड़ 15 लाख 37 हजार रूपये लागत के विकास कार्यो की सौगात दी। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत पोड़ी में 57 लाख 42 हजार रूपये लागत के 7 नव निर्मित कार्यो का लोकार्पण तथा 57 लाख 95 हजार रूपये लागत के 6 कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर विधायक कांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारी,

जिलाध्यक्ष कमलेष सुहाने, दिनेष कुमार मौर्य, एसडीएम दिव्या पटेल, सीएसपी महेन्द्र सिंह, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, सीईओ जनपद अषोक तिवारी भी उपस्थित थे। ग्राम पंचायत पोड़ी में 15 लाख रूपये से नव निर्मित सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और अधोसंरचना का निर्माण सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेष हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से पूरे प्रदेष की महिलाओं का सषक्तीकरण हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत पोड़ी में 5वां राज्य वित्त से 4 लाख 77 हजार लागत से निर्मित बाउन्ड्रीवाल, 2 लाख रूपये से निर्मित चबूतरा, 3.35 लाख से निर्मित पेवर ब्लाक कार्य, 15 लाख से निर्मित नाली निर्माण कार्य, 15वें वित्त से निर्मित 15 लाख रूपये की नाली निर्माण और पंचायत की आय से 2.30 लाख रूपये से निर्मित टीन शेड का भी लोकार्पण किया प्रभारी मंत्री ने ग्राम पंचायत पोड़ी में गौड खनिज मद से 10 लाख रूपये की लागत से शासकीय उचित मूल्य दुकान 10 लाख रूपये की लागत से कौषल उन्नयन भवन, 5 लाख रूपये से अतिरिक्त कक्ष निर्माण, अधोसंरचना विकास मद से 15 लाख से बनने वाले सीसी रोड, 15वां वित से 2.95 लाख रूपये से बनने वाली सीसी रोड निर्माण और 5वां वित से 15 लाख रूपये से स्वीकृत सामुदायिक भवन के निर्माण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को विधायक कांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, सदस्य जयंती तिवारी और जिलाध्यक्ष कमलेष सुहाने ने भी संबोधित किया। उमेष और प्रियांषी को दिये विद्या आरंभ प्रमाण पत्र प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने ग्राम पंचायत पोड़ी में महिला बाल विकास विभाग के विद्या आरंभ कार्यक्रम के तहत उमेष और प्रियांषी को विद्या आरंभ प्रमाण पत्र और लक्षिता को लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र भी प्रदान किये।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चित्रकूट के भरत घाट पर चला स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में पावन माँ मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित भरत घाट पर मंगलवार को नगर परिषद चित्रकूट द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नदी की पवित्रता बनाए रखना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना और स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता फैलाना है। अभियान में नगर परिषद अध्यक्ष साधना पटेल ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने नदी घाट की सफाई में श्रमदान किया और उपस्थित कर्मचारियों व स्थानीय लोगों को जल संरक्षण व स्वच्छता के महत्व पर प्रेरित किया। इस मौके पर सीएमओ चित्रकूट अंकित सोनी, स्वच्छता प्रभारी प्रभात सिंह तथा नगर परिषद के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर घाट क्षेत्र की सफाई की, कचरा एकत्र किया और नदी के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की शपथ ली।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।